हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 16 ■ नई दिल्ली 30 जनवरी से 05 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

बहन शाहीन के साथ मिलकर फिल्म निर्माण करेंगी आलिया

लोकसभा में तीसरे दिन गतिरोध बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के भारी हंगामे के कारण आज तीसरे दिन भी कामकाज नहीं हो सका और सदन की कार्यवाही पांच बजे तक स्थगित कर दी गयी।

दो बार स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दो बजे शुरू होते ही विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गये। पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नटी ने हंगामे के बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा को आगे बढाते हुये तेलुगु देशम पार्टी के जीएम हरीश बालयोगी का नाम पुकारा। श्री बालयोगी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण सुधारों से भरा हुआ है। यह विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने वाला है।

इसमें 25 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की बात कही गयी है। निजी सुरक्षा और उत्तरदायित्व के साथ हम आगे बढ रहे है। अटल टिकरिंग के लिए अधिक धनराशि के आवंटन से नवाचार को बढावा मिलेगा। छात्राओं की शिक्षा को बढावा देने के लिए हर जिले में एक हास्टल खोलने का प्रस्ताव किया गया है।

भाजपा के निशिकांत दुबे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखते हुए कांग्रेस पर सीधा प्रहार किया और कुछ किताबों के हवाले से आलोचना करने लगे। हालांकि इस बीच पीठासीन अधिकारी लगातार किताब के हवाले से बात करने से रोकते रहे। इस बीच हंगामा तेज हो गया जिसके कारण सदन की कार्यवाही पांच बजे तक स्थगित कर दी गई।

इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के सदस्यों ने कांग्रेस के आठ सदस्यों के बजट सत्र के लिए निलंबन के विरोध में बुधवार को जबरदस्त हंगामा किया जिसके कारण अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की कार्यवाही पांच मिनट के भीतर ही 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। श्री बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए खाद्य प्रसंस्करण और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय से संबंधित सवालों पर सदस्यों के जवाब विभाग के मंत्री से देने को कहा। इस बीच विपक्ष के सदस्य सदन की बीचों-बीच आकर हंगामा करने लगे।

अध्यक्ष ने हंगामे में ही प्रश्न काल को चलाने का प्रयास किया लेकिन विपक्षी सदस्यों ने हंगामा और तेज कर दिया। इस बीच कुछ सदस्यों ने प्रश्न पूछे और उनका जवाब भी आया लेकिन हंगामे और शोर शराबे के कारण कुछ सुनाई नहीं दिया।

हंगामा बढ़ते देख श्री बिरला ने सदस्यों से कहा कि उन्हें सदन के अंदर अच्छा आचरण और व्यवहार करना चाहिए। उनका कहना था कि सदन चलाना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है। उन्होंने आग्रह कि सदन सबका है इसलिए सदस्यों को गरिमापूर्ण व्यवहार करते हुए सदन चलाने में मदद करनी चाहिए। सदस्यों ने उनकी एक नहीं सुनी और हंगामा करते रहे, जिसके कारण श्री बिरला को 12 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

कार्यवाही पुनः बारह बजे शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने पूर्व सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को उद्धृत करते हुए नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के सदस्य अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर शोरशराबा और नारेबाजी करने लगे। उनके हाथ में बड़े-बड़े बैनर भी थे। विपक्षी सदस्य प्रधानमंत्री का नाम लेकर नारे लगा रहे थे।

कई विपक्षी सदस्य बैनर के साथ आसन के समक्ष आ गये थे। बैनरों पर प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुन्द नरवणे के चित्र थे। समाजवादी पार्टी के सदस्य अहिल्या बाई होल्कर का चित्र लेकर वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर उनकी प्रतिमा कथित रूप से खंडित किये जाने का विरोध कर रहे थे। विपक्ष ने इन मुद्दों पर मंगलवार को भी हंगामा किया था।

श्री गोयल का वक्तव्य पूरा होने के बाद अध्यक्ष ओम बिरला ने शोरशराबा कर रहे सदस्यों से कहा कि उनके इस आचरण से लोगों का लोकतंत्र में भरोसा कम होगा। उनका विरोध करने का यह तरीका कतई उचित नहीं है। सदन नियमों-प्रक्रियाओं से चलता है। सदन में पहले भी विरोध हुआ है, लेकिन इस तरह मयार्दायें नहीं तोड़ी गयीं।

श्री बिरला ने कहा कि वैचारिक मतभेदों के कारण विरोध होते हैं, लेकिन इस तरह से सदन की गरिमा और मयार्दा का हनन नहीं किया जाता। यह सदन सभी का है और सभी सदस्यों की जिम्मेदारी इसकी गरिमा को बनाये रखने की है।

राहुल गांधी का दावा- 'हमारी सेना चीन के टैंकों पर हमला करना चाहती थी, लेकिन अकेला छोड़ा गया'

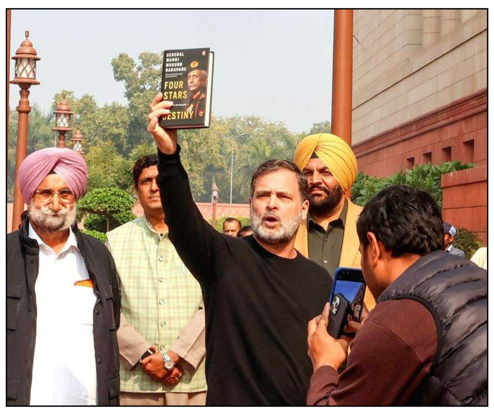

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे की 'किताब' को मीडिया के सामने पेश करते हुए दावा किया कि हमारी सेना चीन के टैंकों पर हमला करना चाहती थी, क्योंकि वे भारत की सीमा में घुस आए थे।

राहुल गांधी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा, वे कहते हैं कि यह किताब मौजूद नहीं है, लेकिन यह रही वह किताब। भारत के हर युवा को यह देखना चाहिए कि यह किताब मौजूद है। यह मिस्टर नरवणे की किताब है। यह जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की किताब है, लेकिन मुझे कहा गया है कि मैं इसे कोट नहीं कर सकता हूं।

किताब के हवाले से कांग्रेस सांसद ने कहा, इसमें एक लाइन प्रमुख है, जिसमें सेना प्रमुख से कहा गया कि जो उचित समझो, वो करो।

राहुल गांधी ने कहा, जब पूर्व सेना प्रमुख नरवणे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को फोन कर बताया कि चीनी टैंक कैलाश रिज (सीमा क्षेत्र) तक पहुंच गए हैं, तो हमें क्या करना है? लेकिन तब राजनाथ सिंह का कोई जवाब नहीं आया। नरवणे ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से पूछा, एनएसए से पूछा और फिर से राजनाथ सिंह से पूछा। किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। नरवणे ने उन्हें फिर फोन किया, जिस पर रक्षा मंत्री ने कहा- मैं 'टॉप' से पूछता हूं। 'टॉप' से ऑर्डर आया कि जब चीन की सेना हमारे बॉर्डर के अंदर आए तो बिना हमसे पूछे फायर न करें।

कांग्रेस सांसद ने कहा, 'हमारी सेना चीन के टैंकों पर हमला करना चाहती थी, क्योंकि वे भारत की सीमा में घुस आए थे। लेकिन इस मुश्किल समय में 'टॉप' ने मैसेज दिया कि 'जो उचित समझो, वो करो। मतलब 'टॉप' ने अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं की और सेना से कहा कि ह्यआपको जो करना है करो, मेरे बस की नहीं है।'

राहुल गांधी ने आगे कहा, 'पूर्व सेना प्रमुख नरवणे ने अपनी किताब में साफ लिखा है, ह्यमुझे सच में बहुत अकेला महसूस हुआ। पूरे सिस्टम ने मुझे छोड़ दिया था।'

कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि अगर लोकसभा में प्रधानमंत्री आते हैं तो वह इस किताब को स्वयं उन्हें सौंपेंगे।

एक नजर

विद्युत क्षेत्र में मिश्रण के लिए कोयले के आयात में कमी आई: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र में मिश्रण के लिए कोयले का आयात चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में पिछले साल की तुलना में घटकर 54 प्रतिशत रह गया है, जिससे घरेलू कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों को बड़ी राहत मिलेगी जो ज्यादा लागत से जूझ रहे हैं। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने लोकसभा में एक प्रश्न का लिखित उत्तर देते हुए कहा कि विद्युत क्षेत्र में मिश्रण के लिए आयात किये जाने वाले कोयले की मात्रा 2022-23 में 3.51 करोड़ टन से घटकर 2024-25 में 1.40 करोड़ टन रह गई। मंत्री ने कहा, साल 2025-26 (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान मिश्रण के लिए आयात किए जाने वाले कोयले की मात्रा 55 लाख टन है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1.2 करोड़ टन थी यानी पिछले साल की तुलना में 54 प्रतिशत कम है, जिससे घरेलू कोयला आधारित विद्युत संयंत्र के लिए ईंधन लागत कम हुई है।

समाजवादी पार्टी ने भाजपा पर लगाया संसद में चर्चा न करने का आरोप

नई दिल्ली। संसद सत्र के दौरान विपक्ष लगातार भाजपा पर हमलावर दिख रहा है। इसके साथ ही संसद में विरोध-प्रदर्शन कर रहा है। बुधवार को कांग्रेस सांसदों ने संसद की सीढ़ियों पर पोस्टर लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। विपक्ष का आरोप है कि भाजपा संसद में चर्चा नहीं करना चाहती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, भाजपा की कोशिश रहती है कि चर्चा ना हो। ये हम लोगों ने देखा कि जिस समय चीन के सवाल पर विपक्ष के नेता और अन्य दल जानकारी हासिल करना चाहते थे, भाजपा पीछे हट गई है। इस बात को हम कई बार दोहराते हैं कि चीन के साथ हमारे संबंध कैसे हों, उस पर हमेशा विचार करके फैसले लेने चाहिए। हमने बहुत सारी जमीन खोई है, पहले भी खोई है और बाद में फिर हमने जमीन खो दी। फौज के लोग क्या कहते हैं, वो पक्ष आए और देश की जनता जाने। एसआईआर को लेकर अखिलेश यादव ने कहा, जो एसआईआर चल रहा है, चिंता इस बात की है कि भाजपा इसमें शामिल है और वो जिसका वोट कटवाना चाहते हैं, वो कटवाते हैं। जिसका वोट वो जुड़वाना चाहते हैं, वो जुड़वाते हैं। अगर हम कोई शिकायत करना चाहते हैं तो चुनाव आयोग उसको नजरअंदाज कर रहा है। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है और उनकी जिम्मेदारी है कि वोट ज्यादा से ज्यादा बनें। चुनाव आयोग के लोगों का जिस तरह का व्यवहार है, उससे ऐसा लगता है कि वो भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, मैं कई प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल देख चुका हूं। इससे ज्यादा भाजपा और कांग्रेस ने पूरे सत्र को नहीं चलने दिया। मैं उसका चश्मदीद गवाह हूं, लेकिन कभी ये नौबत नहीं आई कि लोग सस्पेंड हों। इससे पहले राज्यसभा में पूरा विपक्ष सस्पेंड हो गया।

फैसले सुरक्षित रखे जाने की प्रथा एक बीमारी, इसे खत्म किया जाना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने समय पर न्याय करने की जरुरत पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाईकोर्ट द्वारा महीनों तक फैसलों को सार्वजनिक किए बिना सुरक्षित रखे जाने की प्रथा ह्यएक चिह्नित बीमारीह्ण है, जिसे खत्म किया जाना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जायमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया था कि झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले साल 4 दिसंबर को एक याचिका खारिज करते हुए मौखिक रूप से फैसला सुनाया था और वह फैसला अब तक अपलोड नहीं किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीठ ने कहा कि अगले हफ्ते के आखिर तक वकील को पूरा फैसला उपलब्ध कराया जाए। देरी का जिक्र करते हुए याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील ने कहा कि ऐसा लगता है कि सिर्फ जुबानी जमा खर्च किया जा रहा है। कोई संदेश जाना चाहिए। यह कानून की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। सीजेआई ने कहा कि मोटे तौर पर दो तरह के जस्टिस होते हैं। उन्होंने कहा कि एक मेहनती जज होते हैं, जो सबकी बात सुनते हैं और 10-15 मामलों में भी फैसला सुरक्षित रख लेते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ जज ऐसे होते हैं, जो इसके बाद फैसले नहीं सुनाते। हम किसी एक व्यक्ति की बात नहीं कर रहे हैं। यह न्यायपालिका के सामने एक चुनौती है और यह एक पहचानी हुई बीमारी है। इसका इलाज होना चाहिए और इसे खत्म किया जाना चाहिए और इसे फैलने नहीं दिया जा सकता। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एक और आम चलन है कि कुछ मामलों में दलीलें सुनी जाती हैं और फिर उन्हें आगे के निर्देशों के लिए लिस्ट कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वह हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के साथ अपनी आगामी बैठक में यह मुद्दा उठाएंगे।

सीजेआई ने कहा कि हम अन्य मुद्दों के साथ इस पर भी चर्चा करेंगे। हम कोई ऐसा समाधान निकालने की कोशिश करेंगे, जिससे इस तरह के टाले जाने वाले मुकदमे खत्म हो जाएं। हाईकोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर अपने 15 साल के करिअर में मैंने कभी भी कोई फैसला सुरक्षित नहीं रखा और तीन महीने में फैसला नहीं सुनाया।

राघव चड्ढा ने राज्यसभा में उठाया खाने में मिलावट का मुद्दा

बताया कैसे स्वास्थ्य के साथ हो रहा खिलवाड़

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने बुधवार को सदन में देश में खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे को उठाया। उन्होंने इसे एक बड़ा स्वास्थ्य संकट बताया जो खासकर बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए गंभीर खतरा पैदा करता जा रहा है।

आप सांसद राघव चड्ढा ने संसद में बोलते हुए कंपनियों पर सेहतमंद और एनर्जी बढ़ाने वाले झूठे दावों के तहत हानिकारक उत्पाद बेचने का आरोप लगाया।

उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे रोजमर्रा की जरूरी चीजों में खतरनाक पदार्थ मिलाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि दूध खरीदिए, उसमें यूरिया मिलता है, सब्जियों में ऑक्सीटोसिन है, पनीर में स्टार्च और कास्टिक सोडा होता है, आइसक्रीम में डिटर्जेंट पाउडर मिलता है, फलों के जूस में सिंथेटिक फ्लेवर और आर्टिफिशियल रंग होते हैं, खाने के तेल में मशीन का तेल मिलाया जाता है, मसालों में ईंट का पाउडर और लकड़ी का बुरादा होता है, चाय में सिंथेटिक रंग मिलाए जाते हैं और पोल्ट्री उत्पादों में एनाबॉलिक स्टेरॉयड मिलाए जाते हैं। यहां तक कि देशी घी में जो मिठाइयां बनानी चाहिए, वो भी वनस्पति तेल और डालडा से बनाया जाता है।

आप सांसद राघव चड्ढा ने आगे बताया कि एक मां अपने बच्चे को दूध का गिलास देती है, ये सोचकर कि उसके सेहत के लिए कैल्शियम और प्रोटीन मिलेगा और मेरा बच्चा दुरुस्त बनेगा। लेकिन उसे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं है कि वह अपने बच्चे को यूरिया और डिटर्जेंट मिला हुआ दूध पिला रही है। उन्होंने एक रिसर्च स्टडी का हवाला दिया, जिसमें दिखाया गया कि दूध के सैंपल में 71 प्रतिशत यूरिया और 64 प्रतिशत में न्यूट्रलाइजर जैसे सोडियम बाइकाबोर्नेट पाए गए।

उन्होंने कहा कि देश में दूध का इतना उत्पादन नहीं है, जितना बेचा जा रहा है। सब्जियां जिन्हें हम सेहत का खजाना समझकर खरीदते हैं, उनमें ऑक्सीटोसिन का इंजेक्शन लगाकर फ्रेश करके बेचा जाता है। ऑक्सीटोसिन वह खतरनाक केमिकल है, जिससे चक्कर आना, सिरदर्द, हार्ट फेलियर, बांझपन और कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। उन्होंने बताया कि 2014-15 और 2025-26 के बीच जितने भी सैंपल की जांच हुई, उनमें से 25 प्रतिशत सैंपल में मिलावट पाई गई, जिसका मतलब है कि हर चार में से एक सैंपल में मिलावट पाई गई।

उन्होंने आगे कहा कि जो प्रोडक्ट भारत में बनते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बैन हो गए हैं, दो बड़ी भारतीय मसाला कंपनियों के उत्पादों पर कैंसर पैदा करने वाले कीटनाशकों के कारण यूके और पूरे यूरोप में बैन लगा दिया गया था, फिर भी वही उत्पाद भारत में खुलेआम बेचे जा रहे हैं।

उन्होंने दुख जताया कि जो चीजें विदेशों में पालतू जानवरों के लिए भी ठीक नहीं हैं, उनका यहां बिना सोचे-समझे सेवन किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को पर्याप्त कर्मचारियों और प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ मजबूत करने, उल्लंघन करने वालों पर वित्तीय जुमार्ना बढ़ाने, मिलावटी उत्पादों का नाम बताने और उन्हें शर्मिंदा करने के लिए एक सार्वजनिक रिकॉल सिस्टम शुरू करने और विज्ञापनों में गुमराह करने वाले स्वास्थ्य दावों पर बैन लगाने का प्रस्ताव दिया।

खड़गे ने कहा रुपए की घटती कीमत, आर्थिक असमानता व बेरोजगारी चिंता का विषय

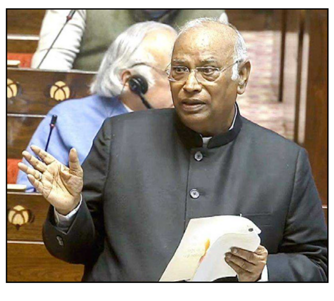

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष ने संसद में रुपए की घटती कीमत, आर्थिक असमानता, युवाओं के रोजगार व देश में सामाजिक सद्भाव को मुद्दा उठाया। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये विषय उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट का हवाला दिया और कहा कि अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट भारत में लगातार बढ़ती आर्थिक असमानता को उजागर कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में 9 लाख 70 हजार से अधिक पद खाली हैं। वहीं राज्यों, पुलिस व पब्लिक सेक्टर आदि में मिलाकर 50 लाख से ज्यादा पद रिक्त पड़े हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए नेता राज्यसभा में प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील भारतीय किसान विरोधी है।

उन्होंने कहा कि यह किसान विरोधी ट्रेड डील है; उन्होंने इसे विफल विदेश नीति का नतीजा बताया। खड़गे ने कहा कि विश्व मंच पर अमेरिका बार-बार भारत का अपमान करता है। राष्ट्रपति ट्रंप दावा करते हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध को ट्रेड डील की धमकी से रोका। खड़गे ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं, फिर भी हमारी सरकार चुप है। 1971 के बाद पहली बार चीन, नेपाल व बांग्लादेश एक साथ आ रहे हैं। नेपाल भारत के कालापानी व लिपुलेख जैसे इलाकों को अपना बता रहा है। हमारा चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन के साथ व्यापार घाटा 116 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। खड़गे ने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि जो लोग कभी चीन को लाल आंख दिखाने की बात करते थे, वही अब चीन के लिए ट्रेड का लाल कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि चीन गलवान के बाद लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा ठोक रहा है। चीन भारत के साथ आर्थिक रिश्ते अपनी शर्तों पर तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेड तब बढ़ रहा है जब सरकार कहती है कि पहलगाम हमले के बाद चीन पाकिस्तान को खुफिया मदद दे रहा था, फिर भी उसका स्वागत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति की विफलताएं विदेश तक सीमित नहीं रहतीं; वे आंतरिक सुरक्षा की चूक बनकर देश के भीतर उठती हैं।

खड़गे ने कहा कि 2014 के बाद से इस सरकार के कार्यकाल में 2300 से अधिक आतंकी हमलों में एक हजार से अधिक भारतीयों ने अपनी शहादत दी। खड़गे ने कहा कि विदेश नीति को आप घरेलू ध्रुवीकरण का हथियार बनाना चाहते हैं। चुनावी लाभ के लिए ऐसा दुरुपयोग लोकतंत्र और विदेश नीति के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा, ह्लमैं सरकार से जानना चाहता हूं कि वे किस प्रकार का भारत बनाना चाहते हैं, प्रतीकात्मक भारत या वास्तविक लोकतांत्रिक, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और संप्रभु भारत। न्यायिक स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व प्रेम वाले भारत से उनका परहेज दिखाई दे रहा है।

विकसित भारत के लक्ष्य का केंद्र सामाजिक न्याय है: यूएन में भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला और बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र सामाजिक विकास आयोग (सीएसओसीडी) के 64वें संस्करण में कहा कि सामाजिक न्याय भारत के विकसित भारत लक्ष्यों का केंद्र है। यूएन में चर्चा के दौरान सावित्री ठाकुर ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और अधिकार-आधारित, सबको साथ लेकर चलने वाले और लोगों पर केंद्रित विकास के तरीकों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सामाजिक न्याय भारत के विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण का केंद्र बना हुआ है।

कोपेनहेगन डिक्लेरेशन ने लोगों को विकास के केंद्र में रखा था और दोहा राजनीतिक घोषणापत्र ने उभरती वैश्विक चुनौतियों के बीच इस प्रतिबद्धता को फिर से पक्का किया था। इसका जिक्र करते हुए महिला और बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि भारत की सबका साथ, सबका विकास की गवर्नेंस फिलॉसफी सभी के लिए सम्मान, बराबरी और अवसर सुनिश्चित करने के लिए पूरी सरकार और पूरे समाज के नजरिए को दिखाती है।

मानवाधिकार एसोसिएशन की मासिक बैठक नशामुक्ति और युवा जागरूकता पर दिया जोर

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर मानवाधिकार एमरजेंसी हेल्पलाइन एसोसिएशन की मासिक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन कमल मक्कड के आवास पर नुमाइश कैम्प गोपाल नगर में किया गया। बैठक का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष माननीय चंद्रशेखर दिक्षित जी ने किया और अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने की। बैठक में कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किए गए, जिसमें मुख्य रूप से युवा जाग्रति एंव नशामुक्त जीवन पर बल दिया गया।

संगठन की ख्याति से प्रभावित होकर, एसोसिएशन की मासिक बैठक के दौरान कमल मक्कड, प्रिंस परुथी,राजेश कुमार, प्रदीप नागपाल, राजकुमार मक्कड, दीपक शर्मा मुजफ्फरनगर, दीवांश मक्कड आदि ने मानवाधिकार एमरजेंसी हेल्पलाइन एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण की, इस मौके पर सबका फूल मालाओं से हार्दिक अभिनन्दन व स्वागत किया गया। बैठक के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निशांत वशिष्ठ ने मानवाधिकार एसोसिएशन को पीड़ितों का सहारा बताते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य निर्बल लोगों की आह एंव आवाज को शासन प्रशासन तक पहुंचाकर उनकी समस्याओं का समाधान कराना है। और मानवाधिकार एसोसिएशन सहारनपुर ही नहीं अन्य जिलों की भी पीड़ितों की आवाज बना हुआ है। तभी तो संगठन का पुरजोर विस्तार हो रहा है। निशांत वशिष्ठ ने कहा कि मानवाधिकार एसोसिएशन की प्रत्येक माह की बैठक में नई नियुक्तियां हो रही हैं। ये इस बात का परिणाम है कि हमारा संगठन जन जन की पुकार सुनकर उनकी सुविधाओं पर ध्यान देता है। बैठक को जिला महासचिव गौरव दीक्षित जी ने भी संबोधित किया,उन्होंने कहा कि मानवाधिकार एसोसिएशन सहारनपुर हमेशा जनहित व राष्ट्रहित में तत्पर रहेगा, हमारी एसोसिएशन सूचना के अनुसार असहाय लोगों को सेवा प्रदान करती है,यही मानवाधिकार एसोसिएशन का उद्देश्य है। जिला सचिव अमित लूथरा जी ने कहा कि हमारी एसोसिएशन के सदस्य सदैव जाति पाँति व अमीरी गरीबी एंव भेदभाव के बंधन से हटकर जनता सेवा का कार्य करते हैं अर्थात मानवाधिकार एमरजेंसी हेल्पलाइन एसोसिएशन के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं एसोसिएशन असहायों की समस्याओं का निवारण करने के लिए वचनबद्ध है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रशेखर दिक्षित जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें नशामुक्त भारत अभियान के तहत काम करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए समाज में फैली हुई कुरीतियों को दूर करने के लिए जनहित में जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

जिसमें हम नशा करने वाले लोगों को शांतिपूर्ण समझाएंगे और नशीले पदार्थों की बिक्री करने वालों के खिलाफ आवाज उठायेंगे श्री दिक्षित जी ने कहा कि उपरोक्त कार्य हमारी एसोसिएशन के उद्देश्यों की कडी है। उन्होंने अपने लम्बे संदेश में जल की विशेषताओं पर भी बल दिया,उन्होंने बताया कि पानी की नाजायजता एक दिन हमारा जीवन दूभर कर सकती है अतः सभी लोगों को जलसंक्षरण के तहत जल का सदुपयोग करना चाहिए। जिलाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने नवनियुक्त सदस्यों का मालार्पण कर स्वागत के साथ उनको सदस्यता ग्रहण कराई और उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एसोसिएशन को विकसित करने के लिए जनहित व राष्ट्रहित में युवाओं को आगे आकर शिष्टाचार की भावना को जन जन तक फैलाने की आवश्यकता है, मैं सभी साथियों से आशा करता हूं कि इसी तरीके से एसोसिएशन के प्रत्येक सदस्य व पदाधिकारियों से आशा जताई कि नशा मुक्ति को हमें जड़ से खत्म करना है।

जिलाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा जी ने बैठक के दौरान मुख्य रूप से नशामुक्ति व युवाओं को आगे आने का आह्वान और सादर आमंत्रण किया। इस अवसर पर मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रशेखर दिक्षित, जिला सचिव अमित लूथरा,गौरव कुमार शर्मा, गौरव दीक्षित, कमल मक्कड, प्रिंस परूथी,दीपक शर्मा मुजफ्फरनगर, प्रदीप नागपाल, राजकुमार मक्कड, अमित कुमार, सुमित लूथरा, राहुल राणा,गौरव शर्मा, सफात राणा,निशांत वशिष्ठ, नीटू तनेजा,अंकित सुनेजा, डॉक्टर अंकित शर्मा, घनश्याम दास,विनय छाबड़ा, अजय सेठी, मौहम्मद उमर, शादाब, प्रशांत वशिष्ठ, निशांत शर्मा, नरेन्द्र गुम्बर, दुर्गेश कुमार नागेश, अंकित दिसावर,डॉक्टर प्रवीण शर्मा, डॉक्टर जसवीर सिंह,आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक समाप्ति पर कमल मक्कड़ जी ने सभी को जलपान करने का निवेदन किया सभी ने सर्दी के मौसम जलपान का आनंद लिया,कमल मक्कड़ जी ने बैठक में पधारे सभी प्रिय जनों का धन्यवाद किया।

सरदार शुगर फैक्ट्री से 12 करोड़ बकाया राशि न मिलने पर किसानों में रोष

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरातः छोटाउदेपुर जिले के बोडेली तहसील के लढोद गांव के पास स्थित सरदार शुगर फैक्ट्री को लेकर एक बार फिर किसानों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। पिछले 18 वर्षों से फैक्ट्री से जुड़े करीब 1800 किसानों के लगभग 11.97 करोड़ रुपये, यानी करीब 12 करोड़ रुपये का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। अपने हक की रकम न मिलने से किसानों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। आज बड़ी संख्या में किसान बंद पड़ी इस शुगर फैक्ट्री परिसर में एकत्र हुए औरसरकार से जल्द से जल्द बकाया राशि दिलाने की मांग की। किसानों ने यह भी मांग की कि फैक्ट्री को दोबारा शुरू किया जाए ताकि क्षेत्र में रोजगार के अवसर

बढ़ सकें। एक समय में यह शुगर फैक्ट्री क्षेत्र की पहचान हुआ करती थी। इस फैक्ट्री पर आधारित हजारों किसान अपनी गन्ने की फसल बेचते थे और कई लोगों को रोजगार भी मिलता था। लेकिन बीते कई वर्षों से फैक्ट्री पूरी तरह बंद पड़ी है। किसानों का कहना है कि उन्होंने मेहनत से गन्ने की खेती की, फैक्ट्री में सप्लाई दी, लेकिन आज तक उन्हें उनकी मेहनत की पूरी कीमत नहीं मिली।

इससे कई किसान कर्ज और आर्थिक संकट में फंस गए हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बकाया राशि ब्याज सहित नहीं दी गई, तो वे जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर फैक्ट्री पर कानूनी कार्रवाई की मांग करेंगे। स्थानीय किसानों का यह भी कहना है कि फैक्ट्री के बंद होने से केवल किसान ही नहीं, बल्कि मजदूर, ट्रांसपोर्टर और व्यापारियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। वर्तमान में फैक्ट्री की हालत जर्जर हो चुकी है और पूरा परिसर ताबेले की तरह उपयोग में लिया जा रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि पिछले 18 वर्षों में नरेंद्र मोदी, आनंदीबेन पटेल और विजय रुपाणी जैसे मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल के दौरान कई बार आवेदन और प्रस्तुतियां दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब किसानों ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला, तो वे उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाने से पीछे नहीं हटेंगे। किसानों की मुख्य मांग है कि सरकार इस पूरे मामले की तुरंत जांच कराए, बकाया राशि का भुगतान कराए और शुगर फैक्ट्री को फिर से शुरू करने के लिए ठोस कदम उठाए।

सड़क निर्माण में बाधा व पत्थरबाजी, पांच आरोपी हुए गिरफ्तार

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलोदी सरकारी कार्य में बाधा डालने और पत्थरबाजी कर सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया (आईपीएस) ने बताया कि वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दिए गए निदेर्शों के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराज सिंह चारण व वृताधिकारी अचल सिंह देवड़ा के सुपरविजन में पुलिस टीम गठित की गई ।मामला 3 फरवरी का है, जब धोलासर क्षेत्र में ननेऊ से धोलासर मार्ग पर आरएसआरडीसी द्वारा सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। इस दौरान कुछ लोगों ने काम में रुकावट डालकर राजकार्य में बाधा पहुंचाई व पत्थरबाजी की, जिससे निर्माण कार्य में लगी मशीनों और वाहनों को नुकसान हुआ और पुलिस कर्मी भी घायल हुए ।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 फरवरी को पांच आरोपियों नेक मोहम्मद, इस्माईल खां, अब्दुल रहीम, मोहम्मद शरीफ और मोहम्मद रफीक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

फलोदी/लोर्डिया पंपिंग स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलोदी क्षेत्र के निकट स्थित लोर्डिया गांव में आज सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पंपिंग स्टेशन नंबर 6 (ढ४स्रल्लॅ र३ं३्रल्ल 6) में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है, जिससे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, सुबह के समय जब स्थानीय ग्रामीण और कर्मचारी अपने दैनिक कार्यों के लिए पंपिंग स्टेशन के पास पहुंचे, तो उन्हें वहां एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ दिखाई दिया। शव को देखते ही लोगों में अफरातफरी मच गई और तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना

मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार, अभी तक शव के पास ऐसा कोई दस्तावेज या सुराग नहीं मिला है जिससे यह पता चल सके कि मृतक कौन है और वह कहां का रहने वाला है। शव की उम्र और अन्य शारीरिक लक्षणों के आधार पर पुलिस पहचान का प्रयास कर रही है।

विधानसभा में भ्रष्टाचार व दिव्यांग उत्पीड़न के खिलाफ याचिका की गई प्रस्तुत

मकवाना नरसिंहभाई नागाजीभाई

गुजरातः आज गांधीनगर विधानसभा में विभिन्न जिलों के लोगों ने अपने जिला प्रतिनिधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए एक याचिका प्रस्तुत की। यह भ्रष्टाचार विरोधी याचिका माननीय मुख्यमंत्री कार्यालय, उपमुख्यमंत्री कार्यालय और गुजरात खेल प्राधिकरण के महानिदेशक को सौंपी गई। याचिका का मुख्य बिंदु यह था कि आप सभी एकजुट होकर अपने जिले में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ याचिका प्रस्तुत करें। याचिका के साथ-साथ एक सामाजिक सभा भी आयोजित की गई। पत्रकार नरसिंह चालदारी भी उपस्थित थे। भ्रष्ट अधिकारियों को हटाया जाना चाहिए, उन्हें रिहा किया जाना

चाहिए और दिव्यांगों के साथ हो रहे अन्याय को रोका जाना चाहिए। याचिका में कहा गया कि यदि जांच के बाद उचित कार्रवाई नहीं की गई तो हमें न्याय के हित में दिव्यांग न्यायालय में मामला दर्ज करना होगा। वर्तमान नेता और अधिकारी, जिनमें पत्रकार भी शामिल हैं, निष्क्रिय हैं। वीडियो होने के बावजूद वे कोई कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। अगली बार हमें फैसला लेना होगा और आगे की कार्रवाई करनी होगी।

नरसिंहभाई दिलीपभाई महेशभाई खोदाभाई भरतभाई मंस-ुगभाई जगदीशभाई दोस्तों के माध्यम से अन्य विकलांग लोगों के साथ अहमदाबाद के खेल महाकुंभ में जिस दिव्यांग व्यक्ति के साथ मारपीट और अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया। इस संबंध में, विकलांगों के लिए न्याय की मांग करते हुए माननीय मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हर्षभाई संधावी साहब को एक याचिका प्रस्तुत की गई है। भरत बारोट अमरेली पत्रकार नरसिंहभाई दिलीपभाई महेशभाई खोड़ाभाई भरतभाई मानसुंगभाई जगदीशभाई और हमारे दिव्यांग मित्रों द्वारा अन्य आवेदन भी प्रस्तुत किए गए, जिनमें खेल महाकुंभ में भ्रष्टाचार बंद होना चाहिए और राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का आयोजन किसी योग्य व्यक्ति को सौंपा जाना चाहिए।

यदि हमारी अर्जी पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है, तो हमें उच्च न्यायालय का रुख करना पड़ेगा। मुझे घर-घर जाकर लोगों से मिलना पड़ेगा।

नेटफ्लिक्स फिल्म के ट्रेलर पर भोपाल में ब्राह्मण समाज ने किया विरोध

प्रवीण कुमार दुबे

मध्य प्रदेशः नेटफ्लिक्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही फिल्म घूसखोर पंडत के ट्रेलर को लेकर भोपाल में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज मध्यप्रदेश ने फिल्म के शीर्षक और संवादों को लेकर आपत्ति जताते हुए डीबी मॉल के सामने प्रदर्शन किया। नेटफ्लिक्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही इस फिल्म के ट्रेलर में बोले गए डायलॉग ह्यब्राह्मण लंगोट का ढीला होता हैह्न को विवादित बताया। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने इस संवाद को समाज के लिए अपमानजनक बताते हुए कड़ा

विरोध जताया है। संगठन का कहना है कि इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल ब्राह्मण समाज को नीचा दिखाने और उसकी छवि खराब करने का प्रयास है। संगठन की ओर से एमपी नगर थाने को सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही फिल्म के ट्रेलर में ब्राह्मण समाज के लिए आपत्तिजनक और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। संगठन ने इसे सुनियोजित तरीके से समाज की छवि धूमिल करने का प्रयास बताया है। फिल्म के नाम बदलने के पोस्टर लेकर पहुंचे समाज के लोग।

प्रदर्शन के दौरान संगठन के कार्यकताओं ने फिल्म से जुड़े कलाकार और निमार्ता के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान ह्यमनोज वाजपेयी मुदार्बादह्न के नारे भी लगाए गए। संगठन ने आरोप लगाया कि लगातार फिल्मों और ओटीटी कंटेंट के माध्यम से ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र मिश्र ने मीडिया से बातचीत में कहा कि फिल्म का नाम और संवाद ब्राह्मण समाज को नीचा दिखाने वाले हैं। उनका कहना है कि समाज को लेकर इस तरह के शब्दों का प्रयोग अस्वीकार्य है और इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुष्पेंद्र मिश्र ने आरोप लगाया कि फिल्म के ट्रेलर में ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से चित्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि फिल्मों को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन मनोरंजन के नाम पर किसी विशेष समाज को अपमानित करना गलत है।

संगठन का दावा है कि इस मामले को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की जा चुकी है और संबंधित कलाकारों, निर्देशक और ओटीटी प्लेटफॉर्म के खिलाफ एफआईआर की मांग की जाएगी। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि फिल्म के शीर्षक और संवादों में बदलाव नहीं किया गया, तो विरोध को और व्यापक स्तर पर किया जाएगा। टीचर में मनोज बाजपेयी सीनियर इंस्पेक्टर अजय दीक्षित के किरदार में नजर आ रहे हैं, जिन्हें दिल्ली में ह्यपंडितह्न के नाम से जाना जाता है। फिल्म में उन्हें भ्रष्ट पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है। टीजर के मुताबिक दीक्षित 20 साल पहले एसआई के रूप में भर्ती हुए थे और अपने किए गए कारनामों की वजह से उन्हें बार-बार डिमोट किया गया।

एक नजर

कला घोड़ा महोत्सव में गोविंदा पथकों ने दही हंडी संस्कृति को दी नई पहचान

केशव मोहन सावंत/महाराष्ट्रः यह भारत के सबसे बड़े और प्रसिद्ध कला महोत्सवों में से एक है, जो हर साल मुंबई के दक्षिणी भाग में स्थित कला घोड़ा क्षेत्र में आयोजित किया जाता है। एमआरडीजीए दहीहंडी एसोसिएट्स का हम सभी हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने सभी चार गोविंदा पथकों को अपनी प्रतिभा दिखाने का यह सुनहरा अवसर प्रदान किया। इस अवसर से न केवल गोविंदाओं का मनोबल बढ़ा है, बल्कि हमारी पारंपरिक दहीहंडी संस्कृति को भी नई पहचान मिली है। इन चारों गोविंदा पथकों – आर्यन्स गोविंदा पथक, जोगेश्वरी; मोरया महिला गोविंदा पथक, सांताक्रूज; अष्टविनायक गोपिका गोविंदा पथक; और बाल उत्साही गोविंदा पथक ने अनुशासन, साहस और टीम भावना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि ऐसे सहयोग और प्रोत्साहन से भविष्य में हमारे गोविंदा और भी ऊँचाइयों को छुएँगे तथा हमारी सांस्कृतिक विरासत को गौरवान्वित करेंगे।

मोरया महिला गोविंदा पथक का मानव पिरामिड, नारी शक्ति का शानदार प्रदर्शन

केशव मोहन सावंत/महाराष्ट्रः हमारे मोरया महिला गोविंदा पथक, सांताक्रूज ईस्ट का प्रतिनिधित्व करते हुए मानव पिरामिड बनाने का अवसर मिला है। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है। कला घोड़ा केवल एक उत्सव नहीं, यह कला, संस्कृति और परंपरा का संगम है। ऐसे मंच पर हमारी महिला शक्ति का प्रदर्शन हमारे साहस और एकता को दशार्ता है। मानव पिरामिड विश्वास, अनुशासन और टीमवर्क का प्रतीक है। इसमें हर सदस्य का योगदान समान रूप से महत्वपूर्ण होता है। नींव से लेकर शिखर तक, हर गोविंदा एक-दूसरे का सहारा बनता है। मोरया महिला गोविंदा पथक नारी शक्ति, आत्मविश्वास और समर्पण का उदाहरण है। हम यह सिद्ध करते हैं कि महिलाएं हर चुनौती को हिम्मत और संतुलन के साथ पार कर सकती हैं। यह अवसर हमें अपनी परंपरा को आधुनिक कला के साथ जोड़ने की प्रेरणा देता है। हम आयोजकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

तणखला सड़क रीसर्फेसिंग का लोकार्पण, लोगों को मिली बड़ी राहत

खत्री रफाकत इदरीशभाई/गुजरातः नसवाड़ी तणखला सड़क के रीसर्फेसिंग कार्य का लोकार्पण स्थानीय विधायक अभेसिंहभाई तड़वी के हाथों संपन्न हुआ। यह सड़क नसवाड़ी प्रांत को मुख्य जिला मार्ग से जोड़ने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, जिसके नवनिर्माण से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। नसवाड़ी तालुका के नसवाड़ी, तणखला से लेकर डूंगर क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला यह मार्ग लंबे समय से जर्जर स्थिति में था। सड़क के रीसर्फेसिंग कार्य के पूर्ण होने से अब लोगों की दैनिक आवाजाही अधिक सरल, सुरक्षित और तेज हो सकेगी। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान विधायक अभेसिंहभाई तड़वी ने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छी और मजबूत सड़कों की सुविधा अत्यंत आवश्यक है। इस सड़क के नवीनीकरण से ग्रामीण क्षेत्र के लोग, छात्र, किसान और व्यापारी वर्ग को विशेष लाभ मिलेगा।

मुराझर स्कूल की छात्राओं ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

मेहफिल हजारिका/असमः मुराझर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्राएं मिलकर परिवहन विभाग के साथ मिलकर आम नागरिकोको सचेत करने के लिए परिवहन से जुड़े नियमों पर आधारित एक सफलता पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन करते हुए। विद्यालय के छात्राएं सड़कों पर परिवहन कर्मी के साथ सार्वजनिक जीवन से जुड़े हर नियमों को प्रस्तुत किया है। उनका प्रमुख उद्देश्य यह था कि बाइक चलते समय पर हेलमेट पहनना, गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करना, बाइक पर सोवार सिर्फ दो सवारी ही बैठना, तेजी से गारी ना चलाना, गारी ओपनी हिसाब से चलाना आदि विशेष नियमों का पालन करना चाहिए। इस पर सार्वजनिक ध्यान आकर्षण किया है। बिगड़ती हुई हालत, ज्यादा रोड एक्सीडेंट को मद्दे नजर रखते हुए मोरझर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्राएं मिलकर इए कार्य को सफलता प्राप्त करने हेतु निकला है। स्थानीय समुदाय ने उनकी सराहना की हे। इन छात्रों की उत्साह देख कर जनता परिवहन विभाग द्वारा स्थापित हर नियमों का उल्लंघन न करने का वादा भी किया हे और हर समई सचेत रहने का भी प्रोन लिया है। इन छात्रों को उनकी कर्म के लिए सेल्यूट करता हूं।

ऑनलाइन गेमिंग के दबाव में 14 वर्षीय छात्र ने करी आत्महत्या

प्रवीण कुमार दुबे

मध्य प्रदेशः भोपाल के पिपलानी इलाके में 14 वर्षीय छात्र अंश साहू की आत्महत्या के बाद जो तस्वीर सामने आ रही है। वह केवल एक हादसे की नहीं, बल्कि बच्चों को घेरते जा रहे ऑनलाइन गेमिंग के खतरनाक दबाव की है। बातचीत में सामने आया है कि अंश जिस ऑनलाइन गेम 'फ्री फायर' का आदी था, उसमें जीत से ज्यादा ह्यदिखनेह्व की होड़ थी, बेहतर हथियार, चमकदार स्किन, महंगे कैरेक्टर और ऑनलाइन रुतबा। परिवार के मुताबिक अंश पहले से ही उस गेम को खेल रहा था। एक महीने पहले उसकी मोबाइल आदत को देखते हुए घरवालों ने अंश से मोबाइल ले लिया गया था, ताकि पढ़ाई पर ध्यान दे सके। इसके बाद वह सामान्य व्यवहार करता रहा। न नींद में कमी, न चिड़चिड़ापन, न पढ़ाई में कमी यही वजह है कि घरवालों को किसी बड़े खतरे का अंदेशा नहीं हुआ।

दादा के मोबाइल से निकले 28 हजार रुपए, तब खुला राज

अंश के मामा भोला साहू बताते हैं कि कुछ समय पहले दादा के मोबाइल खाते से करीब 28 हजार रुपए कट गए थे। शुरूआत में अंश ने पैसे खर्च करने से इनकार किया, लेकिन बैंक स्टेटमेंट सामने आने के बाद पता चला कि रकम ऑनलाइन गेम में खर्च हुई थी। परिवार का कहना है कि उस वक्त बच्चे को समझाया गया, डांट-फटकार नहीं की गई। इसके बाद उसने दोबारा मोबाइल इस्तेमाल नहीं किया। मामा के अनुसार, यह गेम बच्चों को लगातार यह अहसास देता है कि अगर आप ज्यादा पैसा खर्च करेंगे तो आप ज्यादा 'प्रो' दिखेंगे। बेहतर गन, बेहतर स्किन और ज्यादा ताकत यही इस गेम की दुनिया है। फ्री फायर गेम में महंगे स्किन और हथियार लेने का क्रेज है। इसके लिए गेमर पैसे खर्च करते हैं।

खेल रहा था फ्री फायर गेम

घटना के समय मृतक के माता-पिता पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे, जबकि बच्चा नहाने और कपड़े बदलने के लिए घर लौटा था। एएसआई सुरेश कुमार के अनुसार, बच्चा इससे पहले नाना के घर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद था और वहीं से सीधे घर आया था। पुलिस को परिजनों से जानकारी मिली है कि बच्चा मोबाइल पर फ्री फायर (Free Fire) नाम का ऑनलाइन गेम खेलता था। इसी गेम को लेकर उसे पहले भी घर में समझाइश दी गई थी। हालांकि मोबाइल या गेम को लेकर घर में किसी तरह के बड़े विवाद या झगड़े की बात सामने नहीं आई है। पुलिस के मुताबिक बच्चे का व्यवहार सामान्य था। फ्री फायर गेम में टास्क सिस्टम नहीं होता, लेकिन गेमर टेंशन में होता है। गेम खेलने वालों के मुताबिक ऑनलाइन गेम में कोई सीधा टास्क सिस्टम नहीं होता, लेकिन मानसिक दबाव जबरदस्त होता है। खिलाड़ी को हर वक्त अपग्रेड चाहिए। हथियार चमके, कैरेक्टर अलग दिखे, सामने वाला प्रभावित हो। अगर पैसे नहीं हैं तो बेचैनी बढ़ती है। यही बेचैनी धीरे-धीरे नशे जैसी बन जाती है। एक गेमर के अनुसार, लोग इसमें हजारों नहीं, लाखों रुपए तक खर्च कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के लिए यह दबाव और भी खतरनाक हो जाता है, क्योंकि वे यह समझ नहीं पाते कि वर्चुअल रुतबा असल जिंदगी से अलग है। अंश के मामा ने बताया अंश केवल एक मोबाइल गेम खेलने वाला बच्चा नहीं था। वह पढ़ाई में टॉपर था। स्केटिंग में नेशनल लेवल तक खेल चुका था। उसके पास अनेक गोल्ड मेडल थे। परिवार का कहना है कि अंश शांत, समझदार और अनुशासित बच्चा था। माता-पिता से उसके संबंध सामान्य और सकारात्मक थे। मोबाइल को लेकर कोई बड़ा विवाद या झगड़ा सामने नहीं आया।

घटना वाले दिन क्या हुआ

घटना वाले दिन परिवार नाना की तेरहवीं से जुड़े कार्यक्रम में शामिल होने गया था। अंश पहले वहां मौजूद था। इसके बाद नहाने के लिए घर लौटा। उसी दौरान अंश ने मां का मोबाइल लिया और गेम खेला। कुछ ही देर बाद, जब परिवार लौटकर आया, तो अंश फंदे पर लटका मिला।

पंथावाड़ा-गुंदरी मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, एक की मौत, तीन घायल

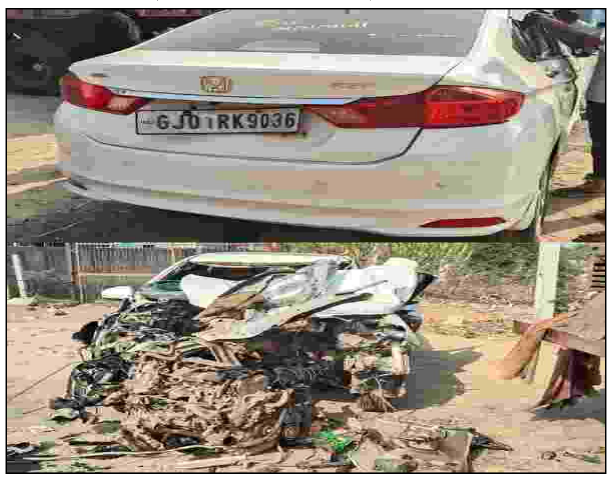

अंकित कुमार सुथार

गुजरातः पंथावाड़ा से गुंदरी की ओर जा रही होंडा सिटी कार (GJ-01 RK-9036) देर रात तेज रफ्तार के चलते सड़क पर चल रहे एक ट्रेलर के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के समय कार में कुल चार लोग सवार थे। इनमें से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत होने की आशंका जताई जा रही है, जबकि अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई जारी है।

कटर से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रवीण कुमार दुबे

मध्य प्रदेशः भोपाल में कटर से युवतियों पर हमला करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पिछले दिनों पिपलानी और अयोध्या नगर में युवतियों पर कटर से हमला किया था। बुधवार देर रात छोला क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पुलिस की शुरूआती जांच में साफ हुआ कि आरोपी देवेंद्र अहिरवार सागर जिले का रहने वाला है। पत्नी से हुए झगड़े के बाद युवतियों पर हमला कर गुस्सा निकाल रहा था। कटर से हमले की घटनाओं से भोपाल में युवतियां दहशत में थीं। आरोपी की तलाश में क्राइम ब्रांच अयोध्या नगर और पिपलानी पुलिस की अलग-अलग 5 टीमें जुटी थीं।

आरोपी की गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपए का इनाम भी रखा था। इसके साथ ही उसे पकड़ने के लिए 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी जानकारी जुटा रहे थे। पुलिस ने शहर में बदमाशों और अन्य आपराधिक प्रवृत्ति वालों का डेटा निकालकर भी मैच करने की कोशिश की थी। कुछ थानों में पुलिस ने पहले ब्लेड से हमला करने वालों और छेड़छाड़ की वारदातों के संदिग्धों से भी पूछताछ की थी। 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक कर पुलिस आरोपी की पहचान कर उस तक पहुंची थी।

आरोपी भोपाल में मजदूरी करता है और शराब पीने का आदी है। सिरफिरे देवेंद्र अहिरवार ने 29 जनवरी की रात पत्नी से विवाद किया था। इसके बाद बाइक पर सवार होकर निकला। भानपुर ब्रिज के रास्ते आरोपी अयोध्या नगर और पिपलानी इलाके में पहुंचा। यहां उसने तीन छात्राओं पर कटर से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। दो छात्राओं को गंभीर चोटें आई थीं, जबकि एक को मामूली चोट लगी। 30 जनवरी को पीड़िताओं की शिकायत पर अयोध्या और पिपलानी पुलिस ने दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की थीं। आरोपी अलग-अलग स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ था। पुलिस के मुताबिक 21 वर्षीय पीड़िता पिपलानी इलाके में रहती है और एक निजी कॉलेज की छात्रा है। घटना की रात करीब 10 बजकर 14 मिनट पर वह घर के बाहर टहलने निकलती थी।

इसी दौरान अज्ञात बाइक सवार युवक से उसकी बहस हो गई। इसके बाद आरोपी ने कटरनुमा धारदार हथियार से उसके पैर पर हमला किया और मौके से फरार हो गया। आरोपी ने अपना चेहरा रुमाल से ढक रखा था। पिपलानी इलाके में ही आरोपी ने एक अन्य युवती पर भी हमला किया, हालांकि उसे बेहद मामूली चोट आई थी। 20 वर्षीय पीड़िता अयोध्या बाइपास स्थित एक कॉलोनी में रहती है और वह भी एक निजी कॉलेज की छात्रा है। रात करीब 11:30 बजे वह घर के बाहर सड़क पर टहल रही थी। तभी अज्ञात बाइक सवार युवक ने उसके सामने बाइक रोकी, जिससे दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद आरोपी ने कटरनुमा धारदार हथियार से युवती पर हमला कर दिया। बचाव के दौरान वह झुक गई, लेकिन उसकी नाक पर चोट लग गई।

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

शांतिपूर्ण आयोजन का लिया गया निर्णय

एमडी फिरोज आलम

बिहारः कटिहार जिले के अमदाबाद थाना परिसर में सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अमदाबाद थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार ने की। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों की व्यापक उपस्थिति रही। इस मौके पर अंचल अधिकारी स्नेहा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी रणवीर कुमार, नगर पंचायत मुख्य पार्षद बबलू मंडल, उप मुख्य पार्षद पृथिवी मंडल, प्रमुख प्रतिनिधि अजहर अली, उप प्रमुख प्रतिनिधि माथुर मंडल, लखनापुर पंचायत मुखिया श्वेता रॉय, पूर्वी करीमुल्लापुर पंचायत मुखिया तारिक अनवर, जेडीयू प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, समाजसेवी शेख खलील, शेख अतीक सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार ने कहा कि सरस्वती पूजा ज्ञान, सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का पर्व है, जिसे सभी समुदाय आपसी भाईचारे के साथ मनाएं।

उन्होंने पूजा पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था, समय पर विसर्जन, डीजे पर नियंत्रण, अफवाहों से बचने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। अंचल अधिकारी स्नेहा कुमारी और बीडीओ रणवीर कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और पूजा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आयोजकों से प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने और किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत संपर्क करने को कहा जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि सरस्वती पूजा युवाओं और छात्रों से जुड़ा पर्व है, इसलिए इसे अनुशासन और मयार्दा के साथ मनाया जाना चाहिए। सभी ने प्रशासन को सहयोग देने और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने का भरोसा दिलाया। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि पूजा के दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, गश्त बढ़ाई जाएगी और शांति समिति के सदस्य प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे, ताकि अमदाबाद क्षेत्र में सरस्वती पूजा शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

निर्मल मन फाउंडेशन ने फुटपाथ पर पढ़ने वाले बच्चों को गजक व टी-शर्ट बांटकर बढ़ाया हौसला

जैबीर सिंह

राजस्थानः जयपुर निर्मल मन फाउंडेशन द्वारा प्रताप नगर स्थित द्वारकापुरी क्षेत्र में बुधवार को एक सराहनीय सामाजिक पहल के तहत फुटपाथ पर बैठकर पढ़ाई करने वाले बच्चों को गजक (तिल-गुड़ की पत्ती) एवं टी-शर्ट वितरित की गई। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी मूल आवश्यकताओं को पूरा करना रहा। कार्यक्रम में समाजसेवी भामाशाह आनंद सारस्वत, सुशीला मूंदड़ा एवं अनूज मनोज ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। संस्था के सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया, उनसे संवाद किया और शिक्षा के महत्व को सरल शब्दों में समझाया। गजक और टी-शर्ट पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलकती दिखी। निर्मल मन फाउंडेशन के अध्यक्ष कैलाश ओझा ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा, ह्हमें खुशी है कि हम फुटपाथ पर पढ़ने वाले बच्चों तक सहायता पहुँचा पा रहे हैं।

शिक्षा ही वह शक्ति है जो बच्चों को आत्मनिर्भर बनाती है।ह्व संस्था के उपाध्यक्ष राहुल सैनी ने कहा कि निर्मल मन फाउंडेशन भविष्य में भी ऐसे आयोजन करता रहेगा, जिससे बच्चों को शिक्षा एवं संसाधनों तक निरंतर पहुंच मिल सके। उन्होंने समाज के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जितेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि संस्था का उद्देश्य बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे अपने जीवन में आगे बढ़ सकें। आने वाले समय में बच्चों के लिए और भी शैक्षणिक व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्था की सचिव कविता झा ने बच्चों को लक्ष्य निर्धारण और शिक्षा के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। बच्चों ने भी अपने सपनों और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण मोर्चा की ओर से टी-शर्ट उपलब्ध करवाई गई। मोर्चा के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र भूटानी ने सभी सहयोगकताओं का आभार व्यक्त किया। संस्था के महासचिव जयबीर सिंह ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के सहयोग से ही ऐसे सकारात्मक बदलाव संभव हैं।

गणित मॉडल से बेस्ट लर्निंग मेले में आफिया आरफी ने जीता प्रथम स्थान

एमडी फिरोज आलम

बिहारः कटिहार जिले के अमदाबाद प्रखंड से शिक्षा के क्षेत्र में एक अत्यंत प्रेरणादायक और गर्व का समाचार सामने आया है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय पहाड़पुर की होनहार छात्रा आफिया आरफी ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और रचनात्मक सोच के बल पर जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रखंड का नाम रोशन किया है। महात्मा गांधी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट टिका पट्टी, कटिहार के तत्वावधान में आयोजित बेस्ट लर्निंग मेला में आफिया आरफी ने वर्ग छह से आठ के गणित विषय के अंतर्गत गणित पार्क मॉडल प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार सफलता के साथ ही आफिया आरफी को अब राज्य स्तरीय बेस्ट लर्निंग मेला में भाग लेने का अवसर मिला है। बताया जा रहा है कि गणित पार्क मॉडल के माध्यम से आफिया ने गणित के कठिन विषयों को सरल, रोचक और व्यावहारिक तरीके से प्रस्तुत किया, जिसे निर्णायक मंडल ने काफी सराहा। मॉडल में गणितीय अवधारणाओं को खेल और गतिविधियों के माध्यम से समझाने की प्रभावशाली झलक देखने को मिली, जिसके चलते आफिया को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक वसीम रजा ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। छात्रों को सकारात्मक, अनुशासित और प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को विशेष निगरानी में पढ़ाया जाता है और उन्हें नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रधानाध्यापक ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों को भी दिया। उन्होंने बताया कि वर्ग 6 से 8 तक गणित विषय की शिक्षिका शिवानी कुमारी एवं शिक्षक ब्रजेश कुमार ने छात्रा को विशेष रूप से मार्गदर्शन दिया। नियमित अभ्यास, मॉडल निर्माण की बारीक समझ और विषय की गहराई से तैयारी कराकर छात्रा को इस मुकाम तक पहुंचाया गया। डायट टिका पट्टी, कटिहार में आयोजित बेस्ट लर्निंग मेला में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने नवाचार प्रस्तुत किए थे, लेकिन उत्क्रमित मध्य विद्यालय पहाड़पुर की छात्रा आफिया आरफी का गणित पार्क मॉडल सबसे अलग और प्रभावशाली साबित हुआ।

अमदाबाद प्रखंड की छात्रा को इस प्रतिष्ठित मंच पर प्रथम स्थान मिलने की खबर जैसे ही सामने आई, विद्यालय परिसर, गांव और पूरे प्रखंड क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों, अभिभावकों और शिक्षकों ने छात्रा की इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया। लोगों का कहना है कि आफिया आरफी की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और यह साबित करती है कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां भी कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन से किसी भी स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। अब सभी की निगाहें राज्य स्तरीय बेस्ट लर्निंग मेला पर टिकी हैं, जहां अमदाबाद की यह बेटी अपने हुनर का प्रदर्शन कर एक बार फिर जिले और बिहार का नाम रोशन करने की तैयारी में है।

एक नजर

गैस सिलेंडर लीकेज से लगी भीषण आग, दो दुकानें जलकर हुई खाक

परम उमेश हिम्मत/गुजरातः भुजझ्रमुंद्रा सिटी में भारत निविदा लाइन स्थित आशुतोष सीएफएस कंपनी परिसर में आज एक बड़ी आगजनी की घटना सामने आई। कंपनी के बाहर स्थित दुकान, जिसमें कैंटीन और उसके पास की मोबाइल एसेसरीज की दुकान शामिल है, वहां गैस सिलेंडर लीकेज होने के कारण अचानक आग लग गई। यह घटना दिनांक 05/02/2026 को दोपहर 01:15 बजे के आसपास हुई। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। गैस सिलेंडर लीकेज के कारण कैंटीन और बगल की मोबाइल एसेसरीज की दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इस हादसे में दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जानहानि नहीं हुई। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। अब आगे कंपनी प्रशासन द्वारा क्या कदम उठाए जाएंगे, इसको लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

प्रॉपर्टी डीलर के साथ वारदात, एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

राममेहर/हरियाणाः पुलिस अधीक्षक हांसी श्री अमित यशवर्धन, भा.पु.से. ने आज सेक्टर-6 हांसी में प्रॉपर्टी डीलर सुभाष के साथ हुई वारदात के संबंध में स्वयं मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर डीएसपी श्री विनोद शंकर, थाना शहर हांसी प्रभारी तथा अपराध शाखा प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर फोरेंसिक विशेषज्ञ टीम द्वारा वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं। परिजनों के बयान दर्ज करने उपरांत अज्ञात व्यक्ति/व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत थाना शहर हांसी में अभियोग दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच गहनता व संवेदनशीलता के साथ की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है तथा शीघ्र ही तथ्य सामने लाने के प्रयास जारी हैं।

मेवाड़ जाट महासभा का ऐतिहासिक फैसला, विवाह में आभूषणों की सीमा 5 लाख हुई तय

अनिल कुमार धाकर/राजस्थानः भीलवाड़ा मेवाड़ जाट महासभा की जिला स्तरीय बैठक में समाज ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विवाह में वर पक्ष द्वारा वधू पक्ष को दिए जाने वाले आभूषणों की सीमा अधिकतम 5 लाख रुपये तय कर दी। महासभा के जिलाध्यक्ष रामेश्वर लाल जी जाट (एडवोकेट) ने बताया कि बढ़ती महंगाई और होड़-प्रतिस्पर्धा के कारण गरीब परिवार कर्ज में डूब रहे हैं। इसे रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। तय सीमा से अधिक आभूषण देने पर सामाजिक प्रतिबंध रहेगा और नियम की निगरानी के लिए कमेटी गठित की जाएगी। बैठक में जिले की सभी 16 तहसीलों के प्रतिनिधियों ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

दिग्विजय चौटाला ने चंद्रशेखर आजाद से की शिष्टाचार मुलाकात, विपक्षी समन्वय पर की चर्चा

रितेश/हरियाणाः आज नई दिल्ली में जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच समसामयिक राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर गंभीर एवं सार्थक चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, बातचीत में युवाओं की राजनीतिक भागीदारी, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने जैसे अहम विषयों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को आने वाले समय में विपक्षी राजनीति में संवाद और संभावित समन्वय के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि दिग्विजय सिंह चौटाला ने इससे पहले दो दिन पूर्व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से भी मुलाकात की थी। इन लगातार बैठकों को उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से जोड़कर भी देखा जा रहा है, जिससे राजनीतिक हलकों में चचाओं का दौर तेज हो गया है।

कैदियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का किया गया आयोजन

घनश्याम दास/उत्तर प्रदेशः सहारनपुर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों के अनुपालन में जिला कारागार में कैदियों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के लिए स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ कारागार अधीक्षक सत्य प्रकाश सिंह एवं मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जेल अधीक्षक के साथ जेल चिकित्सालय में भर्ती मरीजों का हालचाल भी जाना। शिविर के नोडल अधिकारी एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि यह शिविर 5 फरवरी से 13 फरवरी तक चलेगा, जिसमें सभी कैदियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, हेपेटाइटिस, एचआईवी, शुगर जांच के साथ आवश्यकता अनुसार बलगम एवं एक्स-रे जांच की जाएगी।

सम्पादकीय

मोदी-ट्रंप का नया समझौता

भारत और अमेरिका के बीच सोमवार रात को व्यापार समझौते की घोषणा हुई। इस समझौते का ऐलान भी ऑपरेशन सिंदूर के बीच युद्धविराम की घोषणा की तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ही किया। उसके बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी सूचना देशवासियों को दी। इस बीच वाणिज्य और वित्त मंत्री क्या कर रहे थे, पता नहीं। बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी दोनों ने इस नए समझौते को अपनी-अपनी जीत बताया है। ट्रंप की पोस्ट में शुरूआती पंक्तियों में ही नरेन्द्र मोदी से दोस्ती की बात है और उनकी तारीफ की गई है, वहीं नरेन्द्र मोदी ने भी अपनी पोस्ट में फिर से ट्रंप को प्रिय मित्र बताया है। दो दोस्तों के बीच आपस में जो भी बात हो, किसी को फर्क नहीं पड़ना चाहिए। लेकिन जब करोड़ों देशवासियों के हितों का सवाल है, तो फिर फर्क पड़ता ही है। टैरिफ कम करने को नरेन्द्र मोदी बड़ी जीत के तौर पर प्रस्तुत कर रहे हैं, मंगलवार सुबह ही जिस तरह एनडीए सांसदों ने श्री मोदी का अभिनंदन किया, उससे जाहिर है कि विपक्ष को जवाब देने के लिए यही गुणगान किया जाएगा। मोदी की तारीफ में यह भी कहा जा रहा है कि चंद दिनों के भीतर उन्होंने दो बड़े व्यापार समझौते किए, एक तो यूरोपीय यूनियन (ईयू) से मुक्त व्यापार समझौता और दूसरा ट्रंप से टैरिफ कम करवा लिया। हालांकि दोनों समझौतों में काफी फर्क है। ईयू को अमेरिका से छिटकने के कारण ही भारत की जरूरत पड़ी। क्योंकि ट्रंप यूरोप के देशों पर अनावश्यक धौंस दिखा रहे थे। वहीं भारत को भी एक नए व्यापार साथी की तलाश थी। हालांकि ईयू से व्यापार समझौता कब तक जमीन पर उतरेगा और इसका क्या असर होगा, ये पता चलने में वक्त लगेगा। लेकिन अमेरिका से समझौते का तात्कालिक असर भारत पर पड़ेगा, क्योंकि इसमें न केवल अमेरिका बल्कि रूस, ईरान जैसे देशों से उसके रिश्तों पर असर पड़ेगा।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका अब 25 की जगह 18फीसदी टैरिफ लगाएगा, जबकि भारत शून्य टैरिफ लगाएगा। इसके अलावा ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा और 500 बिलियन डॉलर यानी करीब 45.47 लाख करोड़ का अमेरिकी सामान खरीदेगा। जिस तरीके से ट्रंप ने यह बताया है कि भारत क्या करेगा और कैसे करेगा, उससे लगता है कि यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव के तहत किया गया है। वैसे तो नरेन्द्र मोदी देश को महत्वपूर्ण फैसलों के बारे में कभी खुलकर नहीं बताते हैं, लेकिन फिर भी उनसे पूछा जाना चाहिए कि क्या इस समझौते के पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे के कारण बना कोई दबाव है। क्योंकि इसमें नरेन्द्र मोदी, उनके मंत्री हरदीप पुरी और कारोबारी अनिल अंबानी का नाम आया है। इस बारे में मोदी की सफाई पेश करने के लिए तो विदेश मंत्रालय ने बयान दिया है कि अमेरिकी न्याय विभाग ने जो कुछ फाइल्स से खुलासा किया है, वो बेबुनियाद है। लेकिन हरदीप पुरी और अनिल अंबानी के विषय में खामोशी पसरी हुई है। अगर इन दोनों के किसी भी तरह के संबंध जेफ्री एपस्टीन से थे, तो मोदी ने इन दोनों से खुद को पूरी तरह अलग करने का ऐलान क्यों नहीं किया।

मन को जीत लो, संसार स्वयं जीत में बदल जाएगा

-सुनील कुमार महला-

हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में एक अत्यंत गूढ़ और सार्थक पंक्ति कही गई है-मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। इसका आशय यह है कि जीवन में हार और जीत का वास्तविक निर्धारक बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि मन की स्थिति होती है। परिस्थितियाँ तो केवल माध्यम हैं, असली निर्णायक की भूमिका तो मनुष्य मन निभाता है। यदि मन डर, शंका और निराशा से घिरकर पहले ही हार मान ले, तो साधन, संसाधन और अवसर होते हुए भी पराजय निश्चित हो जाती है। इसके विपरीत, यदि मन दृढ़, साहसी, सकारात्मक और विश्वास से भरा हो, तो विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी जीत संभव हो जाती है। वास्तव में, जीवन की हर हार और जीत पहले मन में घटती है, उसके बाद वास्तविक जीवन में दिखाई देती है। जो व्यक्ति मन से हार जाता है, वह कभी जीत नहीं सकता,लेकिन जिसने मन में यह ठान लिया कि वह जीतेगा और हर हाल में जीतेगा, वह अंततः विजयी होता ही है। हमारी पराजय या विजय शारीरिक शक्ति पर नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता पर निर्भर करती है। जब हम मन से यह स्वीकार कर लेते हैं कि हम नहीं जीत सकते, उसी क्षण हमारी आधी शक्ति समाप्त हो जाती है। वहीं अटूट विश्वास हमें कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी रास्ता दिखा देता है। याद रखिए कि भय मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। भय से ही चिंताओं का जन्म होता है और ये चिंताएँ अक्सर अनावश्यक कल्पनाओं से उपजती हैं। जब व्यक्ति उन बातों की कल्पना करने लगता है, जो अभी घटित ही नहीं हुई हैं, तो उसके भीतर भय पैदा होता है। यही भय उसे सकारात्मक सोचने, आगे बढ़ने और पूर्ण रूप से जीने से रोक देता है।मनुष्य विशेष रूप से उन चीजों से अधिक डरता है, जिन्हें वह देख नहीं सकता। जो संकट अभी आया ही नहीं है-अर्थात भविष्य की चिंता-वह मन में एक ह्यभूतह्ल की तरह होता है। उसका कोई निश्चित आकार नहीं होता, इसलिए वह और अधिक डरावना प्रतीत होता है। यह अनदेखा डर व्यक्ति को भीतर ही भीतर भयभीत करता रहता है और अंततः वह बिना लड़े ही हार मान लेता है।इसके विपरीत, जो व्यक्ति इन आशंकाओं से ऊपर उठकर संकल्प करता है, मेहनत करता है और संघर्ष करता है, वह बड़ी से बड़ी कठिनाइयों को भी पार कर लेता है। इतिहास इसके अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है। उदाहरण के तौर पर अरुणिमा सिन्हा ने एक दुर्घटना में अपना पैर खो देने के बावजूद मन से हार नहीं मानी और विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह किया। अब्राहम लिंकन जीवन में कई चुनाव हारने के बाद भी विचलित नहीं हुए और अंततः अमेरिका के राष्ट्रपति बने। ये उदाहरण सिद्ध करते हैं कि परिस्थितियाँ नहीं, मनुष्य का मन ही उसकी नियति तय करता है। वास्तव में मनुष्य मन जानता है कि संकटों से कैसे निपटना है, लेकिन मन चंचल भी होता है। नकारात्मक ऊर्जा व्यक्ति को जल्दी आकर्षित करती है और वह उन बातों को लेकर चिंतित हो जाता है, जिनका कोई वास्तविक आधार नहीं होता। वह भविष्य की चिंता और अतीत की स्मृतियों में उलझकर अपना वर्तमान खो देता है, जबकि सच्चाई यह है कि मनुष्य के नियंत्रण में केवल वर्तमान ही होता है।यह कहा गया है कि साम्राज्य तलवारों से नहीं, शंकाओं से टूटे हैं। जब मन में शंका प्रवेश कर जाती है, तो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति भी कमजोर पड़ जाता है। किसी भी बाहरी युद्ध को जीतने से पहले उसे मन में जीतना आवश्यक होता है। इसलिए मन में संदेह, भय और नकारात्मकता के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए।मनुष्य को यह समझना चाहिए कि भविष्य में क्या होगा या क्या नहीं होगा, इसकी चिंता करना व्यर्थ है। हमारे कर्म ही हमें विस्तार देते हैं। जो हमारे हाथ में है, वह वर्तमान है। इसलिए आवश्यक है कि हम भविष्य की चिंता छोड़कर वर्तमान में पूरे होश-हवास के साथ अपने कर्म करें। जब हम वर्तमान में ईमानदारी और समर्पण से कार्य करते हैं, तो भविष्य का अंधकार स्वतः छँटने लगता है।सरल शब्दों में कहें तो इंसान वास्तविक समस्याओं से तो समझौता कर लेता है, लेकिन आने वाली संभावित परेशानियों की चिंता उसे भीतर से तोड़ देती है। डर सबसे पहले मन को हराता है और जब मन हार जाता है, तो बाहरी जीत भी असंभव हो जाती है। इतिहास गवाह है कि बड़े-बड़े पतन बाहरी शत्रुओं से नहीं, बल्कि अंदर के भय से हुए हैं। महान वही होता है, जो डर के बावजूद आगे बढ़े। जो व्यक्ति केवल सामने की वास्तविकता पर ध्यान देता है और अपने कर्म करता है, वही अपने भविष्य को सही दिशा दे पाता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अनदेखी आशंकाओं से डरने के बजाय उन्हें समझें और विवेक से उनका सामना करें।जब इंसान अपने मन के भय से मुक्त हो जाता है, तभी वह वास्तव में स्वतंत्र होता है और यही सच्ची जीत है।

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार है)

जाति, न्याय और लोकतंत्र : एक असहज सच्चाई

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

> न्याय व्यवस्था की भूमिका किसी भी लोकतंत्र में सबसे पवित्र मानी जाती है। न्यायालय वह स्थान है जहाँ अंतिम उम्मीद जाकर टिकती है। लेकिन जब यह धारणा बनने लगे कि न्याय की दहलीज पर पहुँचने से पहले व्यक्ति की जाति, हैसियत और राजनीतिक संरक्षण देखा जा रहा है, तो विश्वास की नींव हिलने लगती है। न्याय केवल निर्णय नहीं होता; वह भरोसा होता है। और जब यह भरोसा टूटता है, तो उसका असर केवल एक व्यक्ति पर नहीं, पूरे समाज पर पड़ता है। आज न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या, फैसलों में देरी, और कुछ मामलों में दिखता स्पष्ट या अप्रत्यक्ष पक्षपात–ये सब लोकतंत्र के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं।

भारत का लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक नैतिक संकल्प है-समानता, न्याय और बंधुत्व का। संविधान की प्रस्तावना इसी संकल्प का उद्घोष करती है। परंतु आज जब हम अपने चारों ओर देखते हैं, तो यह प्रश्न असहज रूप से सामने खड़ा होता है कि क्या हम उस संकल्प के साथ न्याय कर पा रहे हैं? या फिर लोकतंत्र का यह ढांचा भीतर से दरक चुका है, जहाँ कानून, व्यवस्था और सत्ता-तीनों ही जाति, वर्ग और पहचान की गिरफ़्त में हैं।

आज कानून बनते हैं, संशोधन होते हैं, नए-नए प्रावधान जोड़े जाते हैं, परंतु उनके पीछे की मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक हो गया है। क्या ये कानून नागरिक के लिए हैं, या किसी विशेष समूह, वर्ग या वोट बैंक के लिए? जब विधायन का आधार तर्क और न्याय की जगह सामाजिक पहचान लेने लगे, तब लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ना तय है। कानून का काम समाज को जोड़ना है, लेकिन यदि वही समाज को खाँचों में बाँटने का माध्यम बन जाए, तो यह स्थिति केवल चिंताजनक नहीं, बल्कि खतरनाक भी है।

न्याय व्यवस्था की भूमिका किसी भी लोकतंत्र में सबसे पवित्र मानी जाती है। न्यायालय वह स्थान है जहाँ अंतिम उम्मीद जाकर टिकती है। लेकिन जब यह धारणा बनने लगे कि न्याय की दहलीज पर पहुँचने से पहले व्यक्ति की जाति, हैसियत और राजनीतिक संरक्षण देखा जा रहा है, तो विश्वास की नींव हिलने लगती है। न्याय केवल निर्णय नहीं होता; वह भरोसा होता है। और जब यह भरोसा टूटता है, तो उसका असर केवल एक व्यक्ति पर नहीं, पूरे समाज पर पड़ता है। आज न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या, फैसलों में देरी, और कुछ मामलों में दिखता स्पष्ट या अप्रत्यक्ष पक्षपात-ये सब लोकतंत्र के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं।

लोकतंत्र के नाम पर सत्य का क्षरण एक धीमी लेकिन निरंतर प्रक्रिया है। यह एक दिन में नहीं होता। पहले असुविधाजनक सवालों को 'राष्ट्र-विरोधी' कहा जाता है, फिर आलोचना को 'षड्यंत्र' बताया जाता है, और अंततः सच बोलने वालों को हाशिए पर धकेल दिया जाता है। जब संसद में बहसें समाधान से अधिक शोर बन जाएँ, जब मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सत्ता का विस्तार बन जाए, और जब सामाजिक विमर्श भावनाओं के उकसावे तक सिमट जाए-तो समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र केवल औपचारिक रूप से जीवित है, उसकी आत्मा संकट में है।

समरसता की बातें हर मंच से होती हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई इसके उलट दिखाई देती है। समाज में विभाजन गहराता जा रहा है-धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, भाषा और क्षेत्र के नाम पर। सत्ता इन विभाजनों को पाटने के बजाय, अक्सर इन्हें साधन की तरह इस्तेमाल करती है। ह्यफूट डालो और राज करोह्ल अब इतिहास की किताबों में दर्ज कोई औपनिवेशिक नीति नहीं रही, बल्कि समकालीन राजनीति की एक प्रभावी रणनीति बन चुकी है। जब जनता आपस में उलझी रहती है, तब सत्ता से सवाल करने की ताकत कमजोर पड़ जाती है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर जाति-पाति मिटाने की बातें होती हैं, दूसरी ओर हर राजनीतिक गणित जातिगत समीकरणों पर आधारित होता है। चुनावी टिकटों से लेकर नीतिगत फैसलों तक, जाति एक निर्णायक तत्व बनी हुई है। ऐसे में 'जाति से ऊपर उठने' का उपदेश खोखला प्रतीत होता है। यदि सचमुच जाति अप्रासंगिक होती, तो उसका उल्लेख हर नीति, हर बहस और हर चुनाव में इतनी प्रमुखता से क्यों होता?

आशाओं के इस देश में निराशा का बढ़ता विस्तार केवल आर्थिक कारणों से नहीं है। बेरोजगारी, महँगाई और संसाधनों की असमानता तो कारक हैं ही, लेकिन उससे भी बड़ा कारण है-विश्वास का टूटना। जनता ने जिन हाथों में सत्ता सौंपी, उनसे यह अपेक्षा थी कि वे सबके हित में काम करेंगे। परंतु जब वही सत्ता अपने अस्तित्व को बचाने के लिए समाज को बाँटने लगे, आलोचना से डरने लगे और असहमति को दबाने लगे, तब लोकतंत्र का नैतिक आधार कमजोर हो जाता है।

सत्ता का सच से मुँह फेर लेना किसी भी समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है। जब शासन केवल अपनी छवि गढ़ने में व्यस्त हो जाए और वास्तविक समस्याओं से आँख चुराने लगे, तब झूठ एक समानांतर यथार्थ रच देता है। इस यथार्थ में आँकड़े चमकदार होते हैं, भाषण ऊँचे होते हैं, लेकिन आम आदमी की ज़िंदगी लगातार कठिन होती जाती है। सच को ढँकने के लिए प्रचार का सहारा लिया जाता है, और धीरे-धीरे जनता को यही सिखाया जाता है कि सवाल करना असभ्यता है।

विधान सभाओं और संसद में सामाजिक न्याय की बातें अक्सर सुनाई देती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर वही अन्याय नए-नए रूपों में सामने आता है। नीतियों में सुधार के नाम पर ऐसे प्रावधान लाए जाते हैं, जो या तो आधे-अधूरे होते हैं या फिर नए विवादों को जन्म देते हैं। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब नीति-निर्माण में प्रभावित वर्गों की वास्तविक भागीदारी न हो, और फैसले ऊपर से थोपे जाएँ।

लोकतंत्र की असली परीक्षा संकट के समय होती है। क्या वह सबसे कमजोर नागरिक के साथ खड़ा होता है, या सबसे ताकतवर के साथ? आज यह प्रश्न पहले से अधिक प्रासंगिक है। जब अन्याय किसी ह्यदूसरेह्ल के साथ होता है, तब समाज का एक बड़ा हिस्सा चुप रहता है। लेकिन यही चुप्पी कल अपने ही अधिकारों के क्षरण का कारण बनती है। चयनात्मक नैतिकता-जहाँ हम केवल अपने हित का अन्याय देखते हैं-लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर देती है।

यह संपादकीय किसी एक सरकार, एक दल या एक नेता के विरुद्ध आरोप-पत्र नहीं है। यह एक सामूहिक आत्मावलोकन का आग्रह है। लोकतंत्र केवल शासकों की जिम्मेदारी नहीं, नागरिकों की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। सवाल पूछना, असहमति जताना और सच के साथ खड़ा होना-यही लोकतंत्र की असली शक्ति है। यदि हम सुविधा के लिए चुप रहना चुनते हैं, तो फिर व्यवस्था के पतन की जिम्मेदारी से भी हम बच नहीं सकते। आज आवश्यकता है कि न्याय को फिर से उसके मूल अर्थ में लौटाया जाए-निष्पक्ष, निर्भीक और समान। कानून का उद्देश्य सत्ता को सुरक्षित करना नहीं, बल्कि नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना होना चाहिए। राजनीति का धर्म ध्रुवीकरण नहीं, समाधान होना चाहिए। और लोकतंत्र का अर्थ केवल पाँच साल में एक बार मतदान करना नहीं, बल्कि हर दिन सजग रहना होना चाहिए।

यदि हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमसे यह नहीं पूछेंगी कि हमने किसे वोट दिया था, बल्कि यह पूछेंगी कि जब समाज बाँटा जा रहा था, जब न्याय पहचान पूछ रहा था, और जब सच को दबाया जा रहा था-तब हमने क्या किया। यही प्रश्न आज के भारत के लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ा और सबसे जरूरी सवाल है।

(लेखिका पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

सोशल मीडिया: संवाद का माध्यम या निजता का संकट?

-सुनील कुमार महला-

आज संचार क्रांति का युग है।हर कोई सोशल मीडिया,एआइ का प्रयोग कर रहा है। आधुनिक दौर में सोशल मीडिया ने हमारे अनेक कार्यों को आसान और सरल बनाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल और व्यापक बनाया है, उतना ही जटिल निजता का प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। आज व्यक्ति अपने जीवन के निजी क्षण-तस्वीरें,रील बनाकर अपने विचार, स्थान और दिनचर्या स्वेच्छा से सार्वजनिक मंचों पर साझा कर रहा है। यह सब आमतौर पर सोशल मीडिया मंचों पर साझा करना कभी-कभी आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम होता है, तो कई बार अनजाने में अपनी निजता को जोखिम में डालने का कारण बन जाता है। ह्यलाइकह्ल और ह्यव्यूह्ल की होड़ में निजी सीमाएँ धुंधली होती जा रही हैं। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो आज के समय में तकनीक हमारी ज़िंदगी की पल-पल की अहम व महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने काम आसान और तेज कर दिए हैं, लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है-निजता का खतरा।

आज के समय में अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है और वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि ऐप या प्लेटफॉर्म पर साइन-अप करते समय जो निजी जानकारी वे देते हैं, उसका गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। कई बार यह जानकारी हमारी अनुमति के बिना किसी और को दी जा सकती है। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ही नहीं आज संपूर्ण विश्व स्तर पर स्मार्टफोन उपयोग तेजी से सर्वव्यापी हो चुका है। 2025 के आसपास उपलब्ध ताजा वैश्विक अनुमानों के अनुसार दुनिया में लगभग 6.8झ्र7.1अरब लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, जबकि सक्रिय स्मार्टफोन डिवाइसों की संख्या 7 अरब से अधिक मानी जाती है, क्योंकि कई उपयोगकर्ताओं के पास एक से अधिक फोन हैं। इसका अर्थ यह है कि वैश्विक आबादी का करीब 85झ्र90 प्रतिशत हिस्सा किसी न किसी रूप में स्मार्टफोन से जुड़ चुका है। यदि हम यहां पर भारत की बात करें तो देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार बन चुका है।साल 2024झ्र2025 के आंकड़ों के अनुसार भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 65झ्र70 करोड़ (650झ्र700 मिलियन) है, जो कुल जनसंख्या का करीब 45झ्र50 प्रतिशत बैठती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और 4जी/5जी नेटवर्क के विस्तार के कारण यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार 2026 तक भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ता 100 करोड़ के आसपास पहुँच सकते हैं । इस क्रम में यहां यह गौरतलब है कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और व्हाट्सऐप को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी कंपनी नागरिकों की निजी जानकारी के साथ मनमानी नहीं कर सकती और निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज का जमाना डिजिटल है और इस डिजिटल युग में आज मोबाइल नंबर, बैंक खाता, आधार जैसी जगहों पर हमें अपनी निजी और कभी-कभी बायोमेट्रिक जानकारी भी देनी पड़ती है। अगर यह जानकारी गलत हाथों में चली जाए, तो बड़ा नुकसान हो सकता है। समस्या यह भी है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि हमारी जानकारी आखिर कहां-कहां पहुंच चुकी है।सोशल मीडिया पर भी यही खतरा रहता है, क्योंकि ज्यादातर लोग नियम और शर्तें पढ़े बिना ही ह्यसहमतिह्ल दे देते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में यह बात कही कि ये शर्तें इतनी जटिल भाषा में लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। इसे निजी जानकारी चुराने का एक सभ्य तरीका कहा गया, जिसे मंजूरी नहीं दी जा सकती। माननीय कोर्ट ने यह भी कहा कि सुरक्षा और पहचान के नाम पर जानकारी लेना ठीक है, लेकिन जो लोग निजता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता की गतिविधियों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हैं-क्या देखा, क्या पसंद किया, कहाँ गए और इस डेटा का उपयोग विज्ञापन, प्रोफाइलिंग और कभी-कभी राजनीतिक या व्यावसायिक हितों के लिए किया जाता है। वास्तव में, डेटा लीक, अनधिकृत ट्रैकिंग और फेक प्रोफाइल जैसी समस्याएँ निजता के हनन को और गंभीर बनाती हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति की पहचान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।निजता का हनन केवल तकनीकी नहीं, सामाजिक समस्या भी है। बिना अनुमति तस्वीरें साझा करना, ट्रोलिंग, साइबर स्टॉकिंग और ऑनलाइन बदनामी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। बच्चों और किशोरों के लिए यह खतरा और बड़ा है, क्योंकि वे डिजिटल जोखिमों को समझे बिना ही ऑनलाइन सक्रिय हो जाते हैं।इस चुनौती का समाधान बहुस्तरीय है। एक ओर सशक्त डेटा संरक्षण कानून, पारदर्शी प्लेटफॉर्म नीतियाँ और कड़ी जवाबदेही आवश्यक है; दूसरी ओर डिजिटल साक्षरता और व्यक्तिगत सावधानी भी उतनी ही जरूरी है-मजबूत पासवर्ड, गोपनीयता सेटिंग्स, सीमित साझा करना और अनुमति की संस्कृति। सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग ही निजता और अभिव्यक्ति के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है।

बेटियों के सम्मान और स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोपरि

-मनोज कुमार अग्रवाल-

मेन्स्ट्रुअल साइकल मासिक धर्म पीरियड्स।किशोर वय में कदम रखते ही बच्चियों महिलाओं की जिंदगी का अहम हिस्सा है। लेकिन इसके बावजूद इस बारे में खुलकर बातचीत करना वर्जना भरा माना जाता रहा है। आम भारतीय समाज में आज भी महिलाओं को होने वाली मासिकधर्म के बारे में न तो बात होती है और न ही इसके बारे में सोचा जाता है। शायद यही कारण है कि आजादी के इतने साल बीत जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट को आदेश देना पड़ा कि मेन्स्ट्रुअल हेल्थ महिलाओं का मौलिक अधिकार है और हर स्कूल को फ्री सैनेटरी पैड की व्यवस्था करनी होगी।

हाल ही में यह फैसला सामाजिक कार्यकर्ता जया ठाकुर की याचिका पर आया है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा था कि पीरियड आने पर लड़कियां स्कूल छोड़ देती हैं, क्योंकि उनके परिवारों के पास पैड पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं होते। इस पर फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मेन्स्ट्रुअल हेल्थ संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार है। अदालत ने आदेश दिया कि सभी स्कूलों को 6वीं से 12वीं तक पढ़ने वाली छात्राओं के लिए फ्री सैनेटरी पैड की व्यवस्था करनी होगी। कोर्ट ने सख्त लहजे में ये भी कहा कि अगर इसका पालन नहीं होता है तो स्कूल की मान्यता रद्द की जा सकती है।

आपको बता दें कि भारत के न्यायिक इतिहास में कुछ फैसले ऐसे होते हैं जो केवल कानून की व्याख्या नहीं करते, बल्कि समाज की चेतना को नई दिशा देते हैं। देश के सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में लड़कियों के लिए मुफ्त सैनिटरी पैड उपलब्ध कराना, लड़?कियों लड़कों के लिए अलग वॉशरूम बनाना और डिसेबल-फ्रेंडली टॉयलेट की व्यवस्था अनिवार्य करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसले दिए है, ये फैसले इसी श्रेणी में आते हैं। शीर्ष न्यायलय ने देशभर के सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 6 से 12वीं तक की छात्राओं के लिए अलग शौचालय, मुफ्त सैनिटरी पैड और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन कॉर्नर की अनिवार्यता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मासिक धर्म अब किसी हाशिए पर धकेले जाने वाला विषय नहीं, बल्कि अधिकार, स्वास्थ्य और गरिमा से जुड़ा सवाल है। अगर यह निर्णय सिर्फ सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश नहीं है, बल्कि यह लड़कियों के स्वास्थ्य, गरिमा, शिक्षा और समानता के अधिकार को संवैधानिक संरक्षण देने की ऐतिहासिक पहल है। मासिक धर्म को समाज में एक निजी, लगभग अदृश्य विषय मानकर नजरअंदाज किया जाता रहा है। स्कूलों में इसकी अनदेखी का सबसे बड़ा खामियाजा लड़?कियों को भुगतना पड़ता है। सुविधाओं के अभाव में लाखों छात्राएं हर महीने कई दिन स्कूल नहीं जा पातीं और धीरे-धीरे पढ़ाई से पूरी तरह दूर हो हो जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ने इस मौन पीड़ा को संविधान के दायरे में लाकर स्पष्ट कर दिया है कि यह केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि मौलिक अधिकारों का प्रश्न है। अदालत का यह कहना कि मासिक धर्म स्वच्छता अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और निजता के अधिकार का अभिन्न हिस्सा है, भारतीय न्यायशास्त्र में एक महत्वपूर्ण विस्तार है। जीवन का अधिकार अब केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन की परिस्थितियों को भी समाहित करता है। जब एक छात्रा केवल इसलिए असहज, असुरक्षित और अपमानित महसूस करती है, क्योंकि उसके लिए बुनियादी स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो यह सीधे-सीधे उसके जीवन के अधिकार का हनन है। इस फैसले को एक और बड़ी विशेषता इसका शिक्षा के अधिकार से जुड़ना है। अनुच्छेद 21 के तहत मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा तभी सार्थक है जब स्कूल का वातावरण सुरक्षित, समावेशी और संवेदनशील हो। यदि मासिक धर्म के दिनों में छात्राएं स्कूल आने से मजबूरन वंचित हो जाती हैं, तो शिक्षा का अधिकार खोखला साबित होता है। अदालत ने इस सच्चाई को स्वीकार करते हुए शिक्षा को केवल किताबों और पाठ्यक्रम तक सीमित न मानकर, स्वास्थ्य और गरिमा से जोड़ दिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी सरकारी, सहायता प्राप्स और निजी स्कूलों में मुफ्त बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश व्यावहारिक और दूरगामी है। यह फैसला यह भी सुनिश्चित करता है कि यह सुविधा किसी एक वर्ग या क्षेत्र तक सीमित न रहे। शहरी और ग्रामीण, सरकारी और निजी हर स्कूल इस दायित्व से बंधा होगा। इससे समानता के सिद्धांत को वास्तविक अथों में लागू करने की दिशा में कदम बढ़ता है। शौचालय सुविधाओं पर अदालत का जोर भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्वच्छ, कार्यशील, जैडर सेग्रिगेटेड और पानी से जुड़े शौचालय केवल बुनियादी ढांचा नहीं, बल्कि गरिमा की शर्त हैं। दिव्यांग छात्राओं के लिए अनुकूल सुविधाओं की अनिवार्यता यह दशार्ती है कि न्यायालय ने समावेशन को केंद्र में रखा है। हँडबॉश के लिए साबुन और पानी जैसी साधारण दिखने वाली चीजें भी सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, जिन्हें लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। जागरूकता और प्रशिक्षण पर दिया गया जोर इस निर्णय को केवल भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं रहने रहने देता। जब तक छात्राएं, शिक्षक और स्कूल स्टाफ मासिक धर्म को वैज्ञानिक और स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में नहीं समझेंगे, तब तक सुविधाएं भी पूरी तरह कारगर नहीं होंगी। यह फैसला सामाजिक चुप्पी को तोड़ने का आह्वान करता है, जहां शिक्षक मदद करना चाहते हैं लेकिन संसाधनों और संवाद की कमी से बंधे रहते हैं। अदालत द्वारा अनुपालन न करने पर निजी स्कूलों की मान्यता रद्द करने और सरकारी स्कूलों के लिए राज्य सरकारों की जवाबदेही तय करना, इस आदेश को मजबूती देता है। अक्सर कल्याणकारी निर्देश कागजों तक सीमित रह जाते हैं, लेकिन यहां सख्ती यह संदेश देती है कि यह दया या अनुग्रह का विषय नहीं, बल्कि अधिकार का प्रश्न है। सबसे मार्मिक पहलू अदालत की वह टिप्पणी है, जिसमें उसने सीधे उन लड़?कियों से संवाद किया जो मासिक धर्म के कारण स्कूल से दूर रहीं और जिन्हें अशुद्ध कहकर शिक्षा से वंचित किया गया। यह कहना कि यह तुम्हारी गलती नहीं है, न्यायिक भाषा से आगे बढ़कर मानवीय संवेदना का उदाहरण है। यह संदेश केवल छात्राओं के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए है। यह फैसला ड्रॉपआउट दर कम करने, लैंगिक समानता बढ़ाने और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधारने में मील का पत्थर साबित हो सकता है। तीन महीने के भीतर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से रिपोर्ट मांगना और केंद्र सरकार को राष्ट्रीय नीति बनाने का निर्देश देना इस फैसले की गंभीरता को दशार्ता है। अक्सर नीतियां कागों तक सीमित रह जाती हैं, लेकिन जवाबदेही तय करने और समय-सीमा निर्धारित करने से यह उम्मीद बढ़ती है कि यह आदेश वास्तविक बदलाव में बदलेगा। मान्यता रद्द करने की चेतावनी यह भी संकेत देती है कि अब लापरवाही को बर्दास्त नहीं किया जाएगा, चाहे वह सरकारी स्कूल हो या निजी। इस फैसले का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कि दिव्यांग-अनुकूल शौचालयों की अनिवार्यता, समावेशी शिक्षा की बात अक्सर की जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर सुविधाओं की कमी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। यह निर्देश यह याद दिलाता है कि समानता का अर्थ केवल बहुसंख्यक की जरूरतें पूरी करना नहीं, बल्कि सबसे कमजोर और उपेक्षित वर्ग को केंद्र में रखना है। यह फैसला शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी एक आईना है। शिक्षक जो मदद करना चाहते हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव में असहाय महसूस करते हैं, अब उन्हें एक संस्थागत समर्थन मिलेगा। वहीं अभिभावकों के लिए यह एक संदेश है कि मासिक धर्म कोई निजी या छुपाने वाली समस्या नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ा सार्वजनिक मुद्दा है। जब अदालत यह कहती है कि समाज की प्रगति का पैमाना उसके सबसे कमजोर वर्ग के प्रति व्यवहार से तय होता है, तो यह केवल एक नैतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी का आह्वान है। हालांकि, चुनौतियां कम नहीं हैं। ग्रामीण इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी, फंडिंग, रखरखाव और जागरूकता ये सभी ऐसे मुद्दे हैं जो इस फैसले के प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा बन सकते हैं। केवल शौचालय बना देना या पैड उपलब्ध करा देना पर्याप्त नहीं होगा; उनकी नियमित आपूर्ति, स्वच्छता और उपयोग को लेकर शिक्षा भी उतनी ही जरूरी है। इसके लिए राज्य सरकारों, स्कूल प्रशासन, शिक्षकों, स्थानीय समुदाय और स्वयंसेवी संगठनों के बीच समन्वय आवश्यक होगा।

पलक्कड़ पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध विस्फोटकों की खेप बरामद की

पलक्कड़ (एजेंसी)। केरल के पलक्कड़ जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई कर भारी मात्रा में अवैध विस्फोटकों की खेप बरामद की है। पलक्कड़ मेडिकल कॉलेज के पास एक पिकअप वैन से 100 से अधिक जिलेटिन स्टिक के डिब्बे और 20 से ज्यादा डेटोनेटर के डिब्बे जब्त किए हैं। विस्फोटक ले जाने का तरीका इतना शातिराना था कि पुलिस भी दंग हुई। पलक्कड़ पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, यह जब्ती बुधवार देर रात की गई। खुफिया जानकारी मिली थी कि राज्य में विस्फोटकों की एक बड़ी खेप लाई जा रही है। इसी आधार पर जब पुलिस ने एक पिकअप वैन को रोकने का इशारा किया, तब ड्राइवर ने गाड़ी रोकने के बजाय स्पीड़ बढ़ा दी। इसके बाद पुलिस ने पीछा कर वैन को घेरा और तलाशी ली। पुलिस ने गाड़ी के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है, जिसकी पहचान सेंथिल के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि उसने कोयंबटूर से डिब्बे लोड किए थे और उन्हें त्रिशूर में एक खदान में ले जा रहा था। शुरुआती जांच से पता चलता है कि विस्फोटक को काले पत्थर की खदान के कामों में इस्तेमाल के लिए गुप्त रूप से ले जाया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि पहले भी ऐसे मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल विस्तृत जांच चल रही है।

मुझे अजित के साथ यात्रा करना था, लेकिन देरी के कारण मैं जा नहीं सका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री महादेव जानकर ने दावा किया है कि बीते सप्ताह बारामती में हुए विमान हादसे वाले दिन उन्हें भी उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ यात्रा करनी थी, लेकिन मुंबई देर से पहुंचने के कारण, वे जा नहीं सके। बारामती हवाई अड्डे पर 28 जनवरी को सुबह करीब आठ बजकर 45 मिनट पर एक चार्टर्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) के प्रमुख जानकर ने बताया कि दुर्घटना से कुछ दिन पहले उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता पवार से बातचीत हुई थी और उन्हें उसी विमान से बारामती जाने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने कहा, 'हालांकि मैं मुंबई देर से पहुंचा, जिसके कारण मैं अजित पवार के साथ बारामती विमान से नहीं जा सका। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और पवार की मृत्यु राज्य के लिए एक बड़ी क्षति है। धनगर (चरवाहा) समुदाय के नेता जानकर पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में प्रभाव रखने वाली आरएसपी के प्रमुख हैं।

बिहार के कैमूर में जहरीले बीज खाने से आठ बच्चे बीमार, सभी खतरे से बाहर

पटना (एजेंसी)। बिहार के कैमूर जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मदुरना गांव में तब अफरा-तफरी मच गई, जब खेलते समय जहरीले पौधे के बीज खाने से आठ बच्चे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना और परिजन बच्चों को लेकर अस्पतालों की ओर दौड़ पड़े। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी बच्चे गांव के पूर्वी तालाब के पास खेल रहे थे। तभी उन्होंने पास में उगे डीजल प्लांट के फल तोड़े और उनके बीज खा लिए। लगभग एक घंटे बाद बच्चों में उल्टी, चक्कर आना, मतली और बेचैनी जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। बच्चों की बिगड़ती हालत देखकर परिजनों ने तुरंत उन्हें चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर डॉक्टरों ने सभी बच्चों को भाभुआ सदर अस्पताल रेफर कर दिया। बीमार बच्चों की पहचान लाडो कुमारी (5), ट्विंकल कुमारी (8), आशीर्वाद कुमार (7), कृष कुमार (8), अभिषेक कुमार (5), आदित्य कुमार (9), खुशी कुमारी (12) और अरुण कुमार (8) के रूप में हुई है। सदर अस्पताल में सभी बच्चों को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. त्रिभुवन नारायण ने बताया कि सभी बच्चों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि समय पर इलाज मिलने से गंभीर स्थिति टल गई। चिकित्सकों ने अभिभावकों को चेतावनी देते हुए कहा कि बच्चों को अज्ञात पौधों, फलों और बीजों से दूर रखें, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले कई जंगली पौधे अत्यधिक विषैले होते हैं। इस घटना ने ग्रामीण इलाकों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर किया है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में शूटर को हथियार मुहैया करने वाला पुणे से गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के जुहू इलाके में मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग की घटना ने कानून-व्यवस्था और वीआईपी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच को लगातार अहम सुराग मिल रहे हैं। इसी कड़ी में एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है, इससे जांच में नया मोड़ आया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का नाम आशाराम फसले है, इस पुणे से हिरासत में लिया है। उस पर आरोप है कि आशाराम ने वारदात को अंजाम देने वाले शूटर को हथियार मुहैया कराया था। इस गिरफ्तारी के साथ ही मामले में अब तक कुल पांच आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। हालांकि, इस हमले को अंजाम देने वाला मुख्य शूटर अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। उसकी तलाश में क्राइम ब्रांच की कई टीमें मुंबई के अलावा अन्य राज्यों में भी दबिश दे रही हैं। आशंका हैं शूटर वारदात के बाद शहर छोड़कर फरार हो गया है। जांच में सामने आया है कि रोहित शेट्टी के घर पर हमला पूरी तरह से सुनियोजित था। आरोपियों ने कई दिनों तक उनके घर और आसपास के इलाके की रेकी की थी। सही मौके का इंतजार करने के बाद फायरिंग की गई और शूटर स्कूटी से फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज में उसकी गतिविधियां कैद हुई हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई। पुलिस जांच कर रही है कि वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी पुणे से कैसे लाई गई और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका थी। कुछ आरोपियों का दावा है कि उन्हें टारगेट की जानकारी नहीं थी।

चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस पटरी से उतरी, मची चीख-पुकार सभी यात्री सुरक्षित

जाजपुर (एजेंसी)। ओडिशा के जाजपुर जिले में गुरुवार सुबह बड़ा रेल हादसा हुआ। चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस बेपटरी हो गई। एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। ट्रेन डिरेल होते ही चीख-पुकार मच गई। यात्रियों में दहशत फैल गई। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा। सभी यात्री सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार सुबह करीब 8 बजकर 51 मिनट पर चेन्नई से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही ट्रेन नंबर 22611 जखपुरा यार्ड से गुजर रही थी, तभी उसके तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इनमें एक एसी कोच और दो जनरल कोच शामिल हैं। उस वक्त ट्रेन की रफ्तार बहुत धीमी थी, इसलिए बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

दो चरणों में पूरी होगी जनगणना, प्रक्रिया और जातिगत गणना का खाका तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बहुप्रतीक्षित आगामी जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर जानकारी दी है कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू होते ही तत्काल जाति जनगणना शुरू नहीं की जाएगी, बल्कि इसके लिए देशवासियों को दूसरे चरण का इंतजार करना होगा। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि जाति से संबंधित विशिष्ट सवालों को दूसरे चरण की शुरुआत से ठीक पहले अधिसूचित किया जाएगा।

गृह मंत्रालय के अनुसार, इस विशाल राष्ट्रीय कार्य को दो मुख्य हिस्सों में विभाजित किया गया है। योजना के मुताबिक, पूरे देश में जनसंख्या की वास्तविक गिनती का काम मुख्य रूप से फरवरी 2027 में शुरू किया जाएगा। हालांकि, भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी व बर्फीले राज्यों के दुर्गम इलाकों में यह प्रक्रिया सितंबर 2026 में ही शुरू कर दी जाएगी। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि इस संबंध में विस्तृत

जानकारी दिसंबर 2025 में ही सार्वजनिक कर दी गई थी, लेकिन कुछ वर्गों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के लिए सरकार ने दोबारा तारीखों और प्रक्रिया को स्पष्ट करना आवश्यक समझा है।

जनगणना का पहला चरण मकान सूचीकरण (हाउसलिस्टिंग) और उनकी गणना पर केंद्रित होगा। इस चरण के लिए सरकार ने 22 जनवरी को 33 प्रश्नों की एक सूची अधिसूचित की है। इनमें घर के मुखिया का लिंग, मकान में इस्तेमाल की गई सामग्री, विवाहित जोड़ों की संख्या, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच और वाहनों के प्रकार जैसे विवरण शामिल होंगे। यह चरण इस साल 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच संपन्न होगा, जिसमें प्रत्येक राज्य अपनी सुविधानुसार 30 दिनों की अवधि तय करेंगे। खास बात यह है कि हाउसलिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले नागरिकों को स्वयं ऑनलाइन जानकारी भरने का विकल्प भी दिया जाएगा।

वहीं, जाति जनगणना का महत्वपूर्ण कार्य दूसरे चरण के दौरान किया जाएगा। इस स्पष्टीकरण के बावजूद राजनीतिक गलियारों में बहस तेज है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल का जाति जनगणना कराने का कोई वास्तविक इरादा नहीं है और यह पिछड़ों, दलितों तथा अल्पसंख्यकों (पीडीए) के साथ धोखा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि मौजूदा नोटिफिकेशन में जाति के लिए कोई कॉलम ही नहीं रखा गया है। कांग्रेस ने भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। जवाब में सरकार ने साफ किया है कि दूसरे चरण के दौरान ही जातिगत डेटा एकत्र किया जाएगा और इसके लिए अलग से अधिसूचना जारी होगी।

हिमाचल में पीएम मोदी की घोषणा पर सियासी घमासान, केंद्र पर भेदभाव के आरोप

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मानसून से हुई भारी तबाही के बाद केंद्र सरकार से मिलने वाली आपदा राहत को लेकर फिर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। बीते वर्ष 9 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं धर्मशाला पहुंचे थे और राज्य के लिए 1500 करोड़ रुपये के विशेष आपदा राहत पैकेज की घोषणा की थी। लेकिन लगभग चार महीने बीत जाने के बावजूद यह राशि अब तक हिमाचल प्रदेश को नहीं मिली है। इस देरी को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य के राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने केंद्र पर तीखा हमला बोलकर कहा कि मोदी सरकार हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि 1500 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दूर, राज्य को आपदा राहत के नाम पर 15 पैसे तक नहीं मिले हैं। मंत्री नेगी ने याद दिलाया कि वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश ने सदी की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा झेली थी, जिसमें राज्य को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। केंद्र सरकार की टीमों ने स्वयं हिमाचल आकर नुकसान का आकलन किया और रिपोर्ट में करीब 9300 करोड़ रुपये के नुकसान की पुष्टि भी की गई। इसके बावजूद, पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) के तहत केवल 2500 करोड़ रुपये की सहायता को ही मंजूरी दी गई। मंत्री नेगी का आरोप है कि इस स्वीकृत राशि का भी पूरा भुगतान अब तक नहीं किया गया है। वर्ष 2024 में केवल 600 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि हाल ही में फिर से 600 करोड़ रुपये देने की बात कही गई है। ऐसे में वर्ष 2026 में प्रवेश करने के बावजूद हिमाचल अभी भी 2023 की आपदा राहत का इंतजार कर रहा है। मंत्री नेगी ने सवाल उठाया कि जब उत्तराखंड और बिहार जैसे राज्यों को आपदा राहत की पूरी राशि समय पर मिल सकती है, तो हिमाचल के साथ भेदभाव क्यों। उन्होंने इसे संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ बताते हुए सभी राज्यों के लिए समान व्यवहार की मांग की।

कृषि मंत्री पन्नीरसेल्वम के बिगड़े बोल- हिंदी वाले बेचते हैं पानी पूरी

–तमिलनाडु चुनाव में उत्तर–दक्षिण विवाद गहराया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले भाषा और पहचान की राजनीति एक बार फिर केंद्र में आ गई है। डीएमके सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की विवादित टिप्पणी ने राज्य में उत्तर-दक्षिण विवाद को हवा दे दी है और 'हिंदी थोपने' बनाम द्विभाषा नीति की बहस को फिर तेज कर दिया है।

तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, कि उत्तर भारत से आने वाले लोग केवल हिंदी जानने के कारण राज्य में सीमित रोजगार पाते हैं और उन्हें टेबल साफ करने, निर्माण मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करने पड़ते हैं। इसके उलट उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की दो-भाषा नीति तमिल और अंग्रेजी के कारण राज्य के युवा विदेशों में अमेरिका और लंदन जैसे देशों में जाकर अच्छी नौकरियां और ऊंची आय हासिल कर रहे हैं।

मंत्री के इस विवादित बयान को विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। विपक्षी दलों, खासकर भाजपा ने इसे उत्तर भारतीय प्रवासियों का अपमान बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां राज्य में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ नफरत और हिंसा को बढ़ावा दे सकती हैं। साथ ही इंडिया ब्लॉक के नेताओं, विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए गए हैं।

वरिष्ठ नेताओं ने बयान से बनाई दूरी

जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, डीएमके के वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री के बयान से दूरी बनाने की कोशिश की। डीएमके सांसद टी. आर. बालू ने कहा कि पन्नीरसेल्वम के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि डीएमके और द्रविड़ आंदोलन की शुरुआत से ही हिंदी थोपने के विरोध में रही है और पार्टी का रुख किसी समुदाय या क्षेत्र विशेष के खिलाफ नहीं है।

सपा सांसद बोले- उत्तर भारत का अपमान

इस बयान पर तमिलनाडु के बाहर से भी प्रतिक्रियाएं आई हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने टिप्पणी को घटिया बताते हुए कहा कि यह पूरे उत्तर भारत का अपमान है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत ने देश को आधे से अधिक प्रधानमंत्री दिए हैं और इस तरह के बयान क्षेत्रीय विभाजन को बढ़ाते हैं।

असम के सीएम सरमा व परिवार ने 12,000 बीघा जमीन पर किया कब्जा

–गौरव गोगोई ने लगाए आरोप, बीजेपी ने किया पलटवार– उन्हें कोर्ट जाना चाहिए

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार ने पूरे राज्य में करीब 12,000 बीघा जमीन पर कब्जा किया है। इन आरोपों को लेकर सीएम सरमा ने कहा है कि वह कांग्रेस के बड़े नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करेंगे। वहीं, बीजेपी ने रॉबर्ट वाड्रा का जिक्र किया और सीएम पर लगे आरोपों का खंडन किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गौरव गोगोई ने दावा किया कि सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने इसी भूमि घोटाले को छिपाने के लिए उनके कथित पाकिस्तानी संबंधों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जांच की है और इससे कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सीएम सरमा और उनके परिवार ने पूरे असम में करीब 12,000 बीघा जमीन पर कब्जा किया हुआ है। यह आंकड़ा अंतिम नहीं है, क्योंकि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में यह बढ़ सकता है।

वहीं सीएम सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनके बारे में दिए गए झूठे, मनगढ़ंत और मानहानिकारक बयानों के लिए 9 फरवरी

को जितेंद्र सिंह, भूपेश बघेल, गौरव गोगोई और देबब्रत सैकिया के खिलाफ दीवानी और फौजदारी मानहानि कार्यवाही शुरू करेंगे। इन आरोपों का जवाब देते हुए सत्तारूढ़ बीजेपी के प्रवक्ता रंजीब कुमार सरमा ने कहा कि गोगोई के दावों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके इस बयान में क्या सच्चाई है? क्या इतनी बड़ी जमीन रखना संभव है, जबकि भारतीय कानूनों के मुताबिक कोई भी व्यक्ति 50 बीघा से ज्यादा जमीन नहीं रख सकता है? यह जमीन सीमा अधिनियम के कारण संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर गौरव गोगोई के पास कोई जानकारी है, तो उन्हें कोर्ट जाना चाहिए, जैसा कि लोग रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ कोर्ट गए थे। बोफोर्स से लेकर वाड्रा मामलों तक, कई मुद्दों पर लोगों ने अदालतों का दरवाजा खटखटाया। अगर आपके पास दस्तावेज हैं, तो उन्हें उजागर करने के लिए कोर्ट जाएं। बीजेपी नेता ने कहा कि हमारी न्यायिक प्रणाली भ्रष्टाचार को उजागर करने का मंच प्रदान करती है। गौरव गोगोई ऐसा इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि आरोप झूठे हैं। वह केवल अपने निराधार आरोपों से सनसनी पैदा करना चाहते हैं, और कुछ नहीं।

हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा हाल ही में गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों का जिक्र करने पर गोगोई ने कहा कि उन्होंने यह पिछले साल 10 सितंबर को क्यों नहीं किया? वह इन पांच महीनों से सो रहे थे और अचानक उन्हें मेरे पाकिस्तानी संबंधों की याद आ गई। सीएम सरमा ने पहले भी घोषणा की थी कि वह 10 सितंबर 2025 तक गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों से जुड़े सभी सबूत सार्वजनिक करेंगे। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने कहा कि उन्हें पता है कि हम उनके और उनके परिवार के भ्रष्टाचार एवं भूमि हड़पने के मामलों की फाइल तैयार कर रहे हैं।

दिल्ली धमाका मामला: अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को जालसाजी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दर्ज कराई गई दो अलग-अलग प्राथमिकियों (एफआईआर) के आधार पर की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कामकाज में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी थी।

इस पूरे मामले की जड़ें सुरक्षा से जुड़े एक बेहद संवेदनशील घटनाक्रम से जुड़ी हैं। पुलिस के अनुसार, इस फर्जीवाड़े की जांच का सिलसिला लाल किले के समीप हुए एक धमाके के बाद शुरू हुआ था। उस घटना के बाद जब सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने कड़ियों को जोड़ना शुरू किया, तो अल-फलाह यूनिवर्सिटी के संचालन में कई संदिग्ध अनियमितताएं और दस्तावेजी जालसाजी के तथ्य सामने आए। इसी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर गहन तफ्तीश शुरू की। उल्लेखनीय है कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी सक्रिय है और उसने वित्तीय हेरफेर के कोण से अपनी जांच पहले ही शुरू कर दी थी। ईडी की जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर ही दिल्ली पुलिस ने सिद्दीकी को हिरासत में लेकर लंबी पूछताछ की और पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के उपरांत जावेद अहमद सिद्दीकी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहाँ से पुलिस को चार दिन की रिमांड मिली है। इस अवधि के दौरान पुलिस सिद्दीकी से यूनिवर्सिटी के फंड्स, फर्जी दस्तावेजों और अन्य संदिग्ध गतिविधियों के बारे में विस्तार से पूछताछ करेगी।

यह यूनिवर्सिटी पहली बार तब चर्चा में आई थी जब फरीदाबाद में एक कश्मीरी डॉक्टर मुजम्मिल शकील को भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया था। जांच में पता चला कि शकील इसी यूनिवर्सिटी में शिक्षक के रूप में कार्यरत था। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में उसके पास से लगभग 360 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था। इसी कड़ी ने सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान यूनिवर्सिटी के प्रबंधन की ओर खींचा, जिसके बाद अब चेयरमैन की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस का मानना है कि रिमांड के दौरान इस मामले में कई और चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

राहुल गांधी ने मजाक में कही थी बात, बिट्टू ने तो किया है कांग्रेस के साथ विश्वासघात

–कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा– बीजेपी ने रवनीत बिट्टू को झाड़ पर चढ़ा दिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर दिया बयान पर विवाद जारी है। इस बीच कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि बात हंसी मजाक में कही गई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि बिट्टू ने कांग्रेस के साथ विश्वासघात तो किया ही है। बुधवार को संसद परिसर में राहुल गांधी ने बिट्टू को गद्दार कह दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी साफ दिल के हैं। उन्होंने यह हंसी मजाक में कह दिया, लेकिन उसको हवा दी बीजेपी ने और रवनीत बिट्टू को भड़का दिया। इसे कहते हैं कि झाड़ पर चढ़ाना। ऐसा नहीं करना चाहिए। राहुल गांधी ने लाइट मूड में कहा था, मैंने देखा था। राज ने आगे कहा कि दूसरी बात यह है कि चिढ़ने की क्या बात है। कांग्रेस ने ही तो इनको नेता बनाया।

इनके पूरे खानदान को नेता बनाया। तो विश्वासघात किया भी है, लेकिन जिस टोन में राहुल गांधी ने कहा उसमें कुछ गलत नहीं था।

बता दें संसद परिसर में सांसदों का प्रदर्शन चल रहा था। वहां, राहुल गांधी भी मौजूद थे। उस दौरान बिट्टू सामने से आ रहे थे। उन्हें देखकर राहुल गांधी ने कहा, खिए यहां एक गद्दार चला आ रहा है...मेरे गद्दार मित्र, चिंता मत करो, वापस आओगे। इस पर केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया, ये देश के दुश्मन हैं। राहुल गांधी ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री बिट्टू से हाथ मिलाने का प्रयास किया, हालांकि बीजेपी नेता ने हाथ नहीं मिलाया और सीधे संसद भवन के अंदर चले गए।

बिट्टू ने बाद में राहुल गांधी को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का बिगड़ा हुआ बेटा करार दिया। बीजेपी नेता ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने यह बात कई अन्य सांसदों से क्यों नहीं कही, बल्कि केवल एक सिख से ही क्यों कही? बिट्टू ने एक वीडियो संदेश में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे खुद को सबसे बड़ा देशभक्त मानते हैं क्योंकि उनके पिता राजीव गांधी ने अपना जीवन कुर्बान किया था। मैंने पार्टी में यह लड़ाई लड़ी कि मेरे दादा, बेअंत सिंह गांधी परिवार द्वारा लगाई गई आग के कारण पंजाब में शहीद हुए।

पाकिस्तान में छपे भारतीय नकली नोट नेपाल के रास्ते बिहार में खपा रहे तस्कर

–नोट की क्वालिटी उत्तम ग्रेड की, इसे साधारण तौर पर पहचानना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में छपे भारतीय नोट बड़े पैमाने पर नेपाल के रास्ते बिहार पहुंच रहे हैं। नेपाल सीमा पार कराकर इन नोटों को बिहार के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है। छोटे नोट होने के कारण आसानी से मार्केट में खपाया जा रहा है। पाकिस्तानी एजेंट नेपालियों के साथ बिहार व उत्तर प्रदेश तस्करों के जरिए नकली नोट की खेप भेज रहे हैं। बिहार भेजे जा रहे नकली नोट की क्वालिटी उत्तम ग्रेड की मिली है। इसे साधारण तौर पर पकड़ना मुश्किल है। इसका फायदा उठाकर बाजारों में नकली नोट खपाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार एसटीएफ ने 30 जनवरी को मोतिहारी के हरैया थाना इलाके में नेपाल के बागमती प्रदेश के नकली नोट तस्कर तिलक बहादुर और बारा जिला के गमरगावा के रहने वाले सरोज कुमार को गिरफ्तार करने के बाद इसका खुलासा किया था। दोनों तस्करों के पास से 18 हजार 500 रुपए के जाली भारतीय नोट जब्त किए गए थे। पूछताछ के बाद मोतिहारी पुलिस ने सीतामढ़ी जिले के मेजरगंज से छह व मधुबनी के एक अन्य नकली नोट तस्करों को गिरफ्तार किया था। इनके पास से नकली नोट छपाई वाले कागज भी मिले।

बता दें इससे पहले 29 जनवरी को बिहार एसटीएफ और एसएसबी की टीम ने सीमा पर मधुबनी के हरलाखी में स्थानीय नकली नोट तस्कर मुकेश महतो व सिलकर पंडित को 34 हजार 600 रुपए के जाली भारतीय नोट के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों के पास से 173 पीस 200 रुपए के नकली नोट मिले थे। नोट की क्वालिटी व छपाई बेहतरीन थी कि उसे पहचान पाना आसान नहीं था। मधुबनी के नो मेन्स लैंड में मंगलवार को 14 लाख का जाली भारतीय नोट जब्त किए गए हैं। दो तस्करों को एसएसबी ने पकड़ा है।

रिपोर्ट के मुताबिक लगातार नेपाल बॉर्डर इलाके से भारत में नकली नोट की खेप पहुंचने के बाद बिहार एसटीएफ ने मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, मोतिहारी, दरभंगा, मधुबनी आदि जिले की पुलिस को अलर्ट कर दिया है। तिरहुत रेंज के डीआईजी ने भी इसको लेकर वैशाली, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और शिवहर जिले की पुलिस को सतर्क रहने और सूचना जुटाने का निर्देश दिया है। बड़े पैमाने पर नकली नोट और मादक पदार्थ की खेप नेपाल बॉर्डर से बिहार में भेजे जाने का सुराग मिलने के बाद बिहार एसटीएफ की विशेष टीम नेपाल बॉर्डर इलाके व आसपास के जिलों में सक्रिय हो गई है।

मोतिहारी और मधुबनी में गिरफ्तार हुए नकली नोट तस्करों के पास से विशेष टीम ने 13 मोबाइल जब्त किए हैं। इन मोबाइल को खंगालने पर टीम को नकली नोट के बड़े नेटवर्क का सुराग मिला है। दर्जनों संदिग्धों की सूची बनाकर बिहार एसटीएफ कार्रवाई

में जुटी है। नकली नोट के तस्करों के मोबाइल में नेपाल से लेकर बिहार और यूपी तक के नोट धंधेबाजों के सुराग मिलने की बात बताई जा रही है।

सरकारी लेन-देन की सुविधा वाले बैंक 31 मार्च को खुले रहेंगे

एजेंसी

मुंबई। सरकारी लेन-देन की सुविधा वाले सभी बैंक 31 मार्च को महावीर जयंती के मौके पर खुले रहेंगे। रिजर्व बैंक ने बताया कि इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से अनुरोध किया गया था ताकि वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी दिन 31 मार्च को बैंक खुले रखकर प्राप्ति और भुगतान संबंधी सभी लेन-देन को उसी दिन अंजाम दिया जा सके। केंद्रीय बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों को इसके बारे में सूचना का ज्यादा से ज्यादा प्रसार करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च को महावीर जयंती है। उस दिन कई राज्यों में सार्वजनिक अवकाश है। दरअसर मार्च में 11 ऐसे दिन हैं जब किसी न किसी राज्य में बैंकों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा, हालांकि किसी भी एक राज्य में पांच दिन से ज्यादा का सार्वजनिक अवकाश नहीं है।

रुपया 15 पैसे टूटा

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 15 पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.47 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा मंगलवार को 117.50 पैसे की जबरदस्त बढ़त के साथ 90.32 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ थी। रुपया आज तीन पैसे टूटकर 90.35 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में यह ऊपर 90.27 रुपये और नीचे 90.54 रुपये प्रति डॉलर तक गया। पिछले कारोबारी दिवस की बड़ी तेजी के बाद आज कम कीमत पर डॉलर की खरीद बढ़ने से भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में पैसा लगाने से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत में रही तेजी और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक की मजबूती ने भी रुपये पर दबाव बनाया।

भारत अगले दो-तीन दशकों में 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा-मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश डी अंबानी ने कहा कि भारत अगले 20-30 वर्षों में 25 से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता रखता है और यह दौर देश की युवा पीढ़ी के लिए निवेश का एक बहुत बड़ा अवसर होगा। मुंबई में आयोजित जियो-ब्लैकरॉक कार्यक्रम 'इन्वेस्टिंग फॉर ए न्यू एरा' में ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक के साथ फायरसाइड चैट के दौरान अंबानी ने भारत की विकास यात्रा का स्पष्ट खाका पेश किया। जियोब्लैकरॉक इवेंट में मुकेश अंबानी ने कहा कि भारत पारंपरिक रूप से बचत का देश रहा है, लेकिन अब समय है कि देश के आगे बढ़ने का फायदा निवेश करके उठाया जाए। बचत को निवेश में बदला जाए। सेविंग्स का पैसा यदि कैपिटल मार्केट्स में निवेश हो, तो इससे न केवल परिवारों की संपत्ति बढ़ेगी बल्कि देश की आर्थिक वृद्धि को भी गति मिलेगी। लैरी फिंक ने भी इस विचार का समर्थन करते हुए कहा कि लॉन्ग-टर्म इक्विटी निवेश भारत जैसे तेजी से बढ़ते देश में संपत्ति सृजन का सबसे प्रभावी जरिया बन सकता है। अंबानी ने कहा कि भारत के विकास की जड़ें मजबूत नीतियों, राजनीतिक स्थिरता, बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण और डिजिटल क्रांति से जुड़ी हैं। 5त्न, डिजिटल इंडिया और कैपिटल मार्केट्स के विस्तार से भारत दीर्घकालिक निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बन गया है।

चावल, गेहूं महंगा; चीनी सस्ती; दालों, खाद्य तेलों में घटबढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ गेहूं भी महंगा हुआ जबकि चीनी में नरमी रही। वहीं, दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 16 रुपये बढ़कर 3,866 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं भी 16 रुपये मजबूत हुआ और 2,875 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी चार रुपये महंगा हुआ। दाल-दलहनों में घटबढ़ रही। उड़द दाल की औसत कीमत 22 रुपये और तुअर दाल की 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 43 रुपये की गिरावट रही। मूंग दाल 22 रुपये और चना दाल 13 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा सात रिंगिट चढ़कर 4,222 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 0.11 प्रतिशत की तेजी में 54.55 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 46 रुपये और सूरजमुखी तेल 37 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल की कीमत 33 रुपये और वनस्पति की तीन रुपये बढ़ी। वहीं, सरसों तेल में सात रुपये और सोया तेल में पांच रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।

सेवा क्षेत्र की रफ्तार जनवरी में और बढ़ी

मुंबई। नये ऑर्डर और उत्पादन में तेजी से इस साल जनवरी में सेवा क्षेत्र की रफ्तार और तेज हो गयी तथा इसका एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई कोरोबारी गतिविधि सूचकांक 58.8 पर पहुंच गया। पिछले साल दिसंबर में सूचकांक 58 पर रहा था। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना वृद्धि को और इससे नीचे रहना गिरावट को दर्शाता है जबकि 50 का स्तर स्थिरता का द्योतक है। भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने जारी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह आंकड़ा सेवा क्षेत्र की सतत गति को दर्शाता है। नये ऑर्डरों में स्थिर वृद्धि के दम पर उत्पादन मजबूत बना हुआ है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया समेत विदेशों से मांग में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि कारोबारी विश्वास तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। लागत और उत्पाद मूल्य बढ़ रहे हैं।

एनपीजी ने सड़क,परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 7 परियोजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली । नेटवर्क योजना समूह (एनपीजी) की 108वीं बैठक उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) में आयोजित की गई। इस बैठक में एनपीजी ने सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 7 परियोजनाओं की समीक्षा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि डीपीआईआईटी में एनपीजी की 108वीं बैठक आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य अवसंरचना परियोजनाओं का मूल्यांकन करना था। बैठक में विशेष रूप से प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस एनएमपी) के अनुरूप बहुआयामी कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने और लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार पर जोर दिया गया। मंत्रालय के मुताबिक एनपीजी ने बैठक में एकीकृत बहुआयामी अवसंरचना, आर्थिक और सामाजिक केंद्रों तक

अंतिम-मील कनेक्टिविटी और 'संपूर्ण सरकारी' दृष्टिकोण के प्रधानमंत्री गतिशक्ति सिद्धांतों के अनुरूप 7 सड़क परियोजनाओं का गहन विश्लेषण किया। एनपीजी की इन पहलों से लॉजिस्टिक्स दक्षता में वृद्धि, यात्रा समय में कमी और परियोजना के प्रभाव क्षेत्र में महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच):- तमिलनाडु में सलेम-कुमारपालयम खंड पर एनएच-544 के छह लेन का निर्माण- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने तमिलनाडु के सलेम-कुमारपालयम खंड पर एनएच-544 के छह लेन वाली सड़क निर्माण परियोजना का प्रस्ताव रखा है। इस परियोजना के तहत सलेम से कुमारपालयम तक 102.035 किलोमीटर लंबा छह लेन वाला कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जो कोच्चि-कोयंबटूर-बेंगलुरु के अत्यधिक व्यस्त मार्ग पर स्थित है। अमरावती आउटर रिंग रोड का निर्माण (आंध्र प्रदेश):- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश में 189.93 किलोमीटर लंबी अमरावती आउटर रिंग रोड (ओआरआर) विकसित करने की योजना बनाई है। यह एक ग्रीनफील्ड परियोजना है, जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम करना और विजयवाड़ा, गुंटूर, तेनाली समेत अमरावती राजधानी क्षेत्र में क्षेत्रीय संपर्क को सशक्त बनाना है।

स्टॉक मार्केट में एक्रेशन न्यूट्रावेद की शानदार शुरुआत, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुर्वेदिक और न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद बनाने वाली कंपनी ऐक्रेशन न्यूट्रावेद के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार उछाल के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 129 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 48.06 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 191 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 200.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 55.43 प्रतिशत का फायदा हो गया। ऐक्रेशन न्यूट्रावेद का 25 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्?यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 19.20 लाख रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

भारत ब्रिक्स औद्योगिक दक्षता केंद्र में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। विनिर्माण और लघु एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन देने के लिए भारत ब्रिक्स औद्योगिक दक्षता केंद्र (बीसीआईसी) में शामिल हुआ। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से यह जानकारी दी गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में आयोजित कार्यक्रम में भारत ब्रिक्स औद्योगिक दक्षता केंद्र (बीसीआईसी) में शामिल हुआ। इस अवसर पर डीपीआईआईटी के आर्थिक सलाहकार अग्रिम कौशल और यूएनआईडीओ निदेशक डॉ. क्रिस्टियानो पासिनी ने एक ट्रस्ट फंड समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत बीसीआईसी ढांचे में भारत की भागीदारी को औपचारिक रूप दिया गया। मंत्रालय के मुताबिक भारत में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) को ब्रिक्स औद्योगिक दक्षताओं के केंद्र के रूप में नामित किया गया है। एनपीसी डीपीआईआईटी के नीतिगत मार्गदर्शन और यूएनआईडीओ के तकनीकी सहयोग से ब्रिक्स औद्योगिक दक्षताओं के साथ भारत की सहभागिता का नेतृत्व करेगा और क्षमता निर्माण, उत्पादकता वृद्धि और उन्नत विनिर्माण पद्धतियों को अपनाने में योगदान देगा।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने की और इसमें एनपीसी की महानिदेशक नीरजा शेखर के साथ-साथ डीपीआईआईटी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, यूएनआईडीओ तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स औद्योगिक दक्षता केंद्र संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) के साथ साझेदारी में

ब्रिक्स देशों में विनिर्माण कंपनियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को एकीकृत सहायता सेवाएं प्रदान करने वाले केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उद्योग 4.0 की दक्षताओं को मजबूत करना है।

ट्रेंट को तीसरी तिमाही में 531 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

मुंबई। टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में समेकित आधार पर 531 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो सालाना आधार पर सात प्रतिशत अधिक है।

कंपनी के निदेशक मंडल की यहां हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी। तिमाही के दौरान कंपनी का राजस्व 15 प्रतिशत बढ़कर 5,345 करोड़ रुपये हो गया। उसका परिचालन राजस्व 837 करोड़ रुपये रहा।

ट्रेंट की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि तीसरी तिमाही में उसने वेस्टसाइड के 17 और जुडियो के 48 (एक संयुक्त अरब अमीरात में) नये स्टोर खोले। इसके साथ ही वेस्टसाइड के 278, जुडियो के 854 और अन्य लाइफस्टाइल उत्पादों के 32 स्टोर हो गये हैं। कुल 274 शहरों में उसकी मौजूदगी है और उसके फैशन ब्रांड के पास स्टोरों में कुल 1.5 करोड़ वर्ग फुट की जगह है। ट्रेंट लिमिटेड के अध्यक्ष नोएल टाटा ने परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राहक धारणा में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है और मध्यम अवधि के लिए कंपनी का कारोबारी परिदृश्य सकारात्मक है। कंपनी फिलहाल पोर्टफोलियो बढ़ाने, उत्पादों में वृद्धि और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने पर अपना फोकस जारी रखेगी।

TRENT LIMITED
A TATA Enterprise

एनटीएच ने एसटीक्यूसी-ईआरटीएल (नॉर्थ) के साथ किया सहयोग समझौता

● इस समझौते से भारत के ड्रोन टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (एनटीएच) ने इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत मानकीकरण परीक्षण एवं गुणवत्ता प्रमाणन निदेशालय (एसटीक्यूसी) निदेशालय-इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रीय परीक्षण प्रयोगशाला (उत्तर) ईआरटीएल (उत्तर) के साथ सहयोग समझौता किया है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस नई साझेदारी से भारत का ड्रोन प्रमाणन तंत्र को मजबूती मिलेगी, जबकि नए सहयोग से सुरक्षा, सामर्थ्य और वैश्विक स्वीकृति को बढ़ावा मिलेगा। इससे ड्रोनों का विद्युतचुंबकीय व्यतिकरण (ईएमआई) और

विद्युतचुंबकीय संगतता (ईएमसी) परीक्षण संभव हो सकेगा जिससे भारत के ड्रोन परीक्षण एवं प्रमाणन ढांचे को मजबूती मिलेगी। मंत्रालय के मुताकिबक यह सहयोग ड्रोन नियम, 2021 और मानवरहित विमान प्रणालियों के लिए प्रमाणन योजना (सीएसयूएएस), 2022 के तहत एक महत्वपूर्ण नियामक जरूरत को पूरा करता है। साथ ही यह भारत की सुरक्षित, विश्वसनीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने वाली मानवरहित विमान प्रणालियों (यूएएस) को प्रमाणित करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक एनटीएच ने केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया', ' आत्मनिर्भर भारत' और ' विजन 2047' के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए भारत को सुरक्षित, विश्वसनीय और प्रमाणित ड्रोन प्रौद्योगिकियों के लिए विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

उल्लेखनीय है कि एनटीएच भारत सरकार का एक प्रमुख वैज्ञानिक एवं परीक्षण संस्थान है। इसकी स्थापना 1912 में हुई थी। यह उपभोक्ता मामलों के विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन कार्यरत है। एनएबीएल से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के साथ राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र विभिन्न क्षेत्रों में परीक्षण, निरीक्षण, गुणवत्ता आश्वासन और प्रमाणन सेवाएं प्रदान करता है।

एमसेफ इक्विपमेंट्स की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। सेफ्टी इक्वीपमेंट्स बनाने वाली कंपनी एमसेफ इक्विपमेंट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 123 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 17.07 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 144 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 136.80 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक 11.22 प्रतिशत के फायदे में हैं। एमसेफ इक्विपमेंट्स का 66 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 166.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्?यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 117.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 308.23 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 133.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 54 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा दस लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 में दर्ज किया अबतक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 के 9 माह में मात्रा और वित्तीय दोनों क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। एनएमडीसी ने जनवरी में 5.56 मिलियन टन लौह अयस्क का उत्पादन किया और 4.79 मिलियन टन की बिक्री की, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 9 फीसदी और बिक्री में 7 फीसदी की मजबूती है। इस्पात मंत्रालय ने बताया कि जनवरी तक कंपनी का उत्पादन बढ़कर 42.65 मिलियन टन हो गया, जो 19 फीसदी की सर्वोच्?च वृद्धि है, जबकि बिक्री बढ़कर 39.73 मिलियन टन हो गई, जो वार्षिक आधार पर 9.7 फीसदी की वृद्धि है। एनएमडीसी ने स्थापना के बाद से

NMDC

वित्त वर्ष 2025-26 के प्रथम नौ माह में शानदार प्रदर्शन किया। आंकड़ों में बताया गया कि कंपनी के राजस्व में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 20,381 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि पीबीटी में 5 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 7,280 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसके साथ ही पीएटी में 4 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 5,401 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि ईबीआईटीडीए बढ़कर 7,666 करोड़ रुपये हो गया, जो 5 फीसदी की वृद्धि है। मंत्रालय के मुताबिक एनएमडीसी ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 2.50 रुपये का अंतरिम लाभांश भी घोषित किया। यह प्रदर्शन रिकॉर्ड मात्रा और निरंतर प्रचालन उत्कृष्टता के कारण ही संभव हुआ, जिससे एनएमडीसी भारत की सबसे मजबूत खनन कंपनियों में से श्रेष्ठ कंपनी के रूप में स्थापित हो गई है। इस्?पात मंत्रालय ने बताया कि स्थापना के बाद से अब तक के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हासिल करके एनएमडीसी अपने वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है।

जनवरी में कंपनी की प्रथम कोयला खदान, झारखंड में टोकीसुद नॉर्थ कोयला खदान का उद्घाटन भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो एनएमडीसी के इतिहास में एक और बड़ी सफलता हासिल की है।

आय फाइनेंस का आईपीओ 9 फरवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 122-129 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। आय फाइनेंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 9 फरवरी को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 11 फरवरी तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 122-129 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि 2 रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा और 11 फरवरी को बंद होगा, जबकि बड़े (एंकर) निवेशक छह फरवरी को इसके लिए बोली लगा पाएंगे। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 122-129 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयर 16 फरवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे। आय फाइनेंस लिमिटेड 1,010

करोड़ रुपये के आईपीओ में 710 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 300 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। निवेशक कम से कम 116 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 116 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) आय फाइनेंस लिमिटेड का आईपीओ लाने का उद्देश्य भविष्य में कारोबार में वृद्धि और परिसंपत्ति खंड के विस्तार के लिए अपने पूंजी आधार को मजबूत करना है।

रिजर्व बैंक ने क्रय/विक्रय स्वैप के तहत खरीदे 10 अरब डॉलर

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ने क्रय/विक्रय स्वैप ऑक्शन के तहत वाणिज्यिक बैंकों से 10 अरब डॉलर खरीदे। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने औसतन 7.5166 रुपये के प्रीमियम पर यह खरीद की है। सफलतापूर्वक बोली लगाने वाले वाणिज्यिक बैंक 06

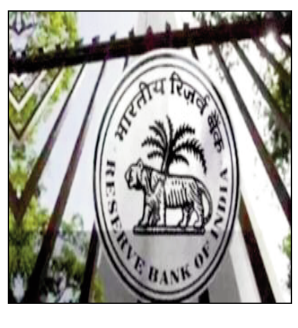

फरवरी को रिजर्व बैंक को डॉलर देंगे। इस सौदे के दूसरे चरण के तहत तीन साल बाद 06 फरवरी 2029 को तय प्रीमियम पर रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को वापस डॉलर बेचेगा। 10 अरब डॉलर के प्रस्ताविक ऑक्शन के लिए 25.03 अरब डॉलर का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। कटऑफ प्रीमियम 7.48 रुपये रखा गया था। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल दिसंबर और इस साल जनवरी में भी डॉलर क्रय/विक्रय स्वैप ऑक्शन को अंजाम दिया था।

उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने एक दिन में कमाए 1.87 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। आईटी सेक्टर में आई जबरदस्ती गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर बाजार आज बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे पहले आधे घंटे में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंच गए। इसके बाद पूरे दिन बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे। आज के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गया। एंथ्रोपिक द्वारा नये वर्कप्लेस प्रोडक्टिविटी और ऑटोमेशन टूल्स लॉन्च करने के कारण आईटी सेक्टर में खलबली मची रही, जिसकी वजह से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 5.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में भी खरीदारी का जोर बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 469.02 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.15 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.87 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,366 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,726 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,477 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 163 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,923 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,012 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 911 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 487.07 अंक की गिरावट के साथ 83,252.06 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले आधे घंटे में ही यह सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंच गया। हालांकि इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। दोपहर एक बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे सेंसेक्स रिकवरी करके 208.40 की मजबूती के साथ 83,947.53 अंक के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 78.56 अंक की मामूली बढ़त के साथ 83,817.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 52.50 अंक टूट कर 25,675.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा।

विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश डोमाराजू नॉर्वे चेस 2026 में खेलेंगे

एजेंसी

स्टावेंगर (नॉर्वे)। मौजूदा विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश डोमाराजू नॉर्वे चेस 2026 में हिस्सा लेंगे। दुनिया के सबसे मजबूत शतरंज टूर्नामेंटों में गिने जाने वाले इस प्रतिष्ठित आयोजन में गुकेश एक बार फिर इस टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र के निर्विवाद विश्व चैंपियन के रूप में उतरेंगे।गुकेश ने नॉर्वे चेस में वापसी को लेकर खुशी जाहिर करते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, 'नॉर्वे चेस में दोबारा खेलकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। यहां हमेशा की तरह मजबूत खिलाड़ी होते हैं और मैं सभी रोमांचक मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' साल 2024 में गुकेश ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद तत्कालीन विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर महज 18 वर्ष की उम्र में विश्व खिताब अपने नाम किया था। उनके करियर में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज हैं, जिनमें 2750 रेटिंग अंक पार करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनना और 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बनने का रिकॉर्ड शामिल है, जो शतरंज इतिहास में तीसरा सबसे कम उम्र का कारनामा है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की हालिया सफलता में भी गुकेश की अहम भूमिका रही है। उन्होंने 2022 शतरंज ओलंपियाड में बोर्ड नंबर एक पर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद 2024 ओलंपियाड में उन्होंने टीम गोल्ड के साथ-साथ बोर्ड एक पर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया।

ओम्बुड्समैन के आदेश के बाद अमरनाथ बने हैदराबाद क्रिकेट संघ के अध्यक्ष

हैदराबाद (तेलंगाना)। ओम्बुड्समैन के आधिकारिक आदेशों के बाद अमरनाथ को हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अमरनाथ 2023 में हुए एचसीए चुनाव में जगनमोहन राव से मात्र एक वोट से हारकर उपविजेता रहे थे। बाद में फर्जीवाड़े और अनियमितताओं के आरोपों के चलते जगनमोहन राव की नियुक्ति को अमान्य घोषित कर दिया गया, जिसके बाद अमरनाथ की अध्यक्ष पद पर ताजपोशी का रास्ता साफ हुआ। इससे पहले अक्टूबर में तेलंगाना क्रिकेट संघ (टीसीए) ने हैदराबाद में जिला समितियों और गवर्निंग काउंसिल के प्रतिनिधियों के साथ राज्य स्तरीय बैठक आयोजित कर एचसीए को पूरी तरह निलंबित करने की मांग की थी। टीसीए ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से अपील की थी कि वह बीसीसीआई संविधान और राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अनुरूप टीसीए को तेलंगाना राज्य का पूर्ण सदस्य क्रिकेट निकाय मानते हुए राज्य में क्रिकेट प्रशासन का पुनर्गठन करे। टीसीए ने एचसीए पर अवैध रूप से काम करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि संघ बिना संवैधानिक अनुपालन, प्रशासनिक कोरम और जिला स्तर के प्रतिनिधित्व के 'वेंटिलेटर सपोर्ट' पर चल रहा है।

वर्ल्ड रेसलिंग ने लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया घोषित की

कोर्सिएर-सुर-वेवे (स्विट्ज़रलैंड)। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने सोमवार को लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 (एलए) के लिए कुश्ती की क्वालिफिकेशन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए नई प्रणाली और विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए कोटा वितरण की घोषणा की। एलए 2028 से प्रत्येक भार वर्ग में कुल 16 पहलवान ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करेंगे। ये स्थान चार अलग-अलग माध्यमों से भरे जाएंगे–विश्व चैंपियनशिप, महाद्वीपीय क्वालिफायर, वर्ल्ड ओलंपिक क्वालिफायर और यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग। क्वालिफिकेशन का पहला चरण अगले वर्ष होने वाली विश्व चैंपियनशिप से शुरू होगा, जिसमें कुल 72 ओलंपिक कोटा दिए जाएंगे। 18 ओलंपिक भार वर्गों में स्वर्ण, रजत और दो कांस्य पदक विजेता अपने-अपने राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) के लिए एलए 2028 का टिकट पक्का करेंगे। पहले चरण में क्वालिफाई नहीं कर पाने वाले पहलवानों में से यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग में शीर्ष तीन स्थान पर रहने वाले देशों को एक-एक कोटा दिया जाएगा। यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग में एलए 2028 से पहले आयोजित सात प्रमुख प्रतियोगिताओं के परिणाम शामिल होंगे, जिनमें 2027 सीनियर महाद्वीपीय चैंपियनशिप, 2027 रैंकिंग सीरीज़ (तीन इवेंट), 2027 सीनियर विश्व चैंपियनशिप, 2028 रैंकिंग सीरीज़ (एक इवेंट) और 2028 सीनियर महाद्वीपीय चैंपियनशिप शामिल हैं। महाद्वीपीय परिणामों में से केवल दो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को ही गिना जाएगा।

फीफा अध्यक्ष इन्फैंटिनो ने कहा-रूस पर प्रतिबंध बेकार, 2026 में विश्व कप का बहिष्कार नहीं

लंदन। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने रूस पर लगे अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतिबंध को समाप्त करने का समर्थन करते हुए कहा है कि चार साल का यह बैन किसी नतीजे तक नहीं पहुंचा है। उन्होंने इसे 'निरर्थक' करार देते हुए खासतौर पर रूस की युवा टीमों की बहाली की पैरवी की। स्काई स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में इन्फैंटिनो ने कहा, 'हमें रूस की बहाली पर जरूर विचार करना चाहिए, क्योंकि इस प्रतिबंध ने कुछ हासिल नहीं किया है। इससे सिर्फ निराशा और नफरत बढ़ी है। अगर रूस के लड़के-लड़कियों को यूरोप के दूसरे हिस्सों में फुटबॉल खेलने का मौका मिलेगा, तो यह मददगार होगा।' यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद फरवरी, 2022 में फीफा ने रूस को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया था। इसके चलते रूस 2022 कतर विश्व कप से बाहर हुआ और अमेरिका, कनाडा व मेक्सिको में होने वाले 2026 विश्व कप की क्वालिफिकेशन प्रक्रिया में भी शामिल नहीं हो सका।

मुख्यमंत्री साय ने 37वीं फेडरेशन कप व्हॉलीबॉल चैंपियनशिप का किया उद्घाटन

एजेंसी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में 37वीं फेडरेशन कप व्हॉलीबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। छत्तीसगढ़ राज्य व्हॉलीबॉल एसोशिएशन द्वारा 3 फरवरी से 8 फरवरी तक इसका आयोजन किया गया है।

चैंपियनशिप में भारत के लिए खेल चुके कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं। रेलवे, सर्विसेस और इंडियन यूनिवर्सिटी सहित कई राज्यों की टीमें इसमें भागीदारी कर रही हैं। पुरुष वर्ग में 10 टीमें और महिला वर्ग में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने फेडरेशन कप के उद्घाटन के बाद इंडोर स्टेडियम में रुककर तमिलनाडू और सर्विसेस के

बीच हुए उद्घाटन मैच को पूरा देखा। वे कांटे के मुकाबले वाले इस मैच के समाप्त होने के बाद ही स्टेडियम से निकले। विधायक सुनील सोनी भी उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 37वीं फेडरेशन कप व्हॉलीबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन करते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ की धरती पर मैं देशभर से आए खिलाड़ियों का स्वागत करता हूं। व्हॉलीबॉल हमें टीमवर्क, सहयोग और समन्वय सिखाता है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने इसमें प्रदेश का काफी नाम रोशन किया है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा और कौशल का पूरी क्षमता से प्रदर्शन कर सके, इसके लिए जरूरी अधोसंरचना और प्रशिक्षण पर हम लगातार जोर दे रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि, खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए कई वर्षों से बंद राज्य खेल अंलकरण सम्मान को हमने पुनः प्रारंभ किया है। ओलंपिक खेलों में राज्य के खिलाड़ी की भागीदारी पर शासन की ओर से 21 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं स्वर्ण पदक जीतने पर 3 करोड़ , रजत पदक जीतने पर 2 करोड़ और कांस्य पदक जीतने पर एक करोड़ दिए जाएंगे।

जिला रैंकिंग टूर्नामेंट : पुरुष वर्ग में विख्यात कात्याल और महिला वर्ग में कनिष्का कपूर रहीं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

एजेंसी

मुरादाबाद। नेक्स्टजेन स्पिनर टेबल टेनिस एकेडमी द्वारा आयोजित प्रथम जिला रैंकिंग टूर्नामेंट का समापन हुआ। नेक्स्टजेन स्पिनर टेबल टेनिस एकेडमी द्वारा मुरादाबाद में आयोजित प्रथम जिला रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट का शानदार समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में मुरादाबाद जिले के लगभग 60-70 खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसमें सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी विख्यात कात्याल और सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी कनिष्का कपूर रही। प्रतियोगिता में अंडर-11 से लेकर मेन्स और वुमेन्स श्रेणी तक के विभिन्न रोमांचक मुकाबले खेले गए। टूर्नामेंट के दौरान विख्यात कात्याल और कनिष्का कपूर का

दबदबा रहा, जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई खिताब अपने नाम किए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि चिल्ड्रन एकेडमी के निदेशक अनिल अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथियों में, एसपी सिन्हा, सीए राकेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, योगेंद्र गौतम जिला सचिव रहे। कार्यक्रम का मानसी तलवार ने खूबसूरत अंदाज में किया। इस टूर्नामेंट की मेजबानी नेशनल खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा द्वारा किया गया।

पलवल में 40वीं हरियाणा राज्य महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ

एजेंसी

पलवल। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने खेल विभाग पलवल एवं जिला तीरंदाजी संघ पलवल के संयुक्त तत्वाधान में सर दीनबंधु छोटू राम स्टेडियम, घुघेरा (पलवल) में आयोजित 40वीं हरियाणा राज्य महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर अर्जुन अवार्डी एवं डिप्टी डायरेक्टर खेल विभाग हरियाणा राम मेहर, सचिव तीरंदाजी संघ हरियाणा राम निवास हुड्डा तथा आर्चरी कोच खेल विभाग पलवल दीपक कुमार भी उपस्थित रहे। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पलवल में पहली बार राज्य स्तरीय महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जो जिले के लिए गर्व का विषय है। यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता प्रदेश की बेटियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करेगी, जिससे उत्कृष्ट खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक

पहुंचकर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगी।खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और देश का युवा यदि लक्ष्य निर्धारित कर ले, तो उसे प्राप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास करता है। प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर गौरव गौतम ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगी। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी, तीरंदाजी संघ के पदाधिकारी, कोच, खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्मिथ ने पीएसएल फ्रेंचाइज़ी सियालकोट स्टैलियनज़ के साथ किया करार, 2028 ओलंपिक का सपना अब भी जिंदा

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट स्टार स्टीव स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की नई फ्रेंचाइज़ी सियालकोट स्टैलियनज़ के साथ करार कर लिया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम में वापसी और लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में खेलने का उनका सपना अब भी कायम है, जहां पहली बार टी20 क्रिकेट को शामिल किया जाएगा।

36 वर्षीय स्मिथ ने हाल ही में एशेज सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी बेहतरीन बल्लेबाज़ी की। इसके बावजूद उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिल सकी। स्मिथ कई बार साफ कर चुके हैं कि उनका बड़ा लक्ष्य 2028 ओलंपिक में खेलना है। हालांकि सिडनी टेस्ट के बाद उन्होंने यह भी कहा था कि उनका भविष्य 'दिन-प्रतिदिन' का मामला है। लेकिन पीएसएल में साइन करना इस बात

का संकेत है कि उनके इरादे अभी मजबूत हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम में फिलहाल कप्तान मिच मार्श और ऑलराउंड स्टार ट्रैविस हेड को ओपनर के रूप में प्राथमिकता दी जा रही है, जिसके चलते चयनकर्ताओं को इन-फॉर्म स्मिथ के लिए जगह नहीं मिल पाई।

पीएसएल में सियालकोट स्टैलियनज़ के लिए खेलना स्टीव स्मिथ के लिए अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अपनी दावेदारी को और मजबूत करने का अहम मौका माना जा रहा है।

गुजरात जायंट्स को 7 विकेट से रौंदकर लगातार चौथी बार फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स

एजेंसी

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स ने बीसीए स्टेडियम में खेले गए विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एलिमिनेटर मैच में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ कैपिटल्स ने लगातार चौथी बार खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है, जहां 5 फरवरी को उसका सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। डब्ल्यूपीएल 2023 के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। अगले साल इस टीम ने फिर से फाइनल में जगह बनाई, लेकिन इस बार आरसीबी ने बाजी मार ली। साल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस के हाथों एक बार फिर खिताबी मैच गंवाना पड़ा था। वडोदरा में खेले गए एलिमिनेटर मैच में टॉस गंवाकर बल्लबाजी के लिए उतरी गुजरात जायंट्स ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 168 रन बनाए। इस टीम ने 59 के स्कोर तक अपने

4 विकेट गंवा दिए थे, जहां से सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी ने जॉर्जिया वेयरहैम के साथ पांचवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। वेयरहैम 25 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद मूनी ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने 51 गेंदों में 6 चौकों के साथ 62 रन की नाबाद पारी खेली। इनके अलावा, काशवी गौतम ने 10 गेंदों में 3 चौकों के साथ 18 रन जुटाए। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से चिनले हैनरी ने 35 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि नंदिनी शर्मा ने 2 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, एक विकेट मिन्नु मणि के हाथ लगा।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 15.4 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम को लिजेल ली और शेफाली वर्मा ने शानदार शुरुआत दिलाई। सलामी जोड़ी ने 7.1 ओवरों में 89 रन जोड़े। लिजेल ली 24 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि शेफाली ने 21 गेंदों में 7 चौकों के साथ 31 रन जुटाए। कैपिटल्स 92 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी थी। यहां से कप्तान जेमिमा रोड्रिगेज ने लौरा वोल्वार्ड्ट के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 68 रन जुटाते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। जेमिमा ने 23 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 41 रन बनाए, जबकि लौरा ने 24 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ नाबाद 32 रन बनाए।

पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट में श्याम लाल कॉलेज की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। मेजबान श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 7-0 से पराजित कर 12वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। विजेता टीम के लिए प्रत्यूष सिंह जग्गी और हर्ष शर्मा ने दो- दो गोल किए। नंद किशोर, भूपेंद्र और रोहित ने एक- एक गोल किया। प्रत्यूष सिंह जग्गी को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। अन्य मुकाबलों में श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने एसएलसी एलुमनी को कांटे के संघर्ष 4-3 से मात दी। विजेता टीम के ऋतिक को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के लिए करण पाल, नकुल, सुमित और ऋतिक ने एक- एक गोल किया। एसएलसी एलुमनी के लिए शशिकांत ने दो और डी एस जग्गी ने एक गोल किया। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस ने श्याम लाल बी टीम को 3-2 से मात दी। विजेता टीम के हर्ष यादव दो गोल कर

प्लेयर ऑफ द मैच बने। गुरमुख ने एक गोल किया।श्याम लाल बी टीम के लिए अतुल और आदित्य ने एक-एक गोल किया। किरोड़ी मल कॉलेज ने एमिटी को 2-1 से हराया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड पाने वाले चिराग ने विजेता टीम के दोनों गोल किए।

डेविस कप में इतिहास दोहराने की तैयारी, नीदरलैंड्स से भिड़ंत से पहले कप्तान रोहित राजपाल को टीम पर भरोसा

एजेंसी

बेंगलुरु। डेविस कप क्वालिफायर राउंड-1 में नीदरलैंड्स के खिलाफ 7-8 फरवरी को होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय टेनिस टीम बेंगलुरु के एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में जोरदार तैयारी में जुटी है। टीम के कप्तान रोहित राजपाल को भरोसा है कि यदि खिलाड़ी सही समय पर अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल कर लें, तो भारत मजबूत डच टीम को चुनौती दे सकता है।

प्रशिक्षण शिविर में करन सिंह और रित्विक बोलिपल्ली ने अभ्यास शुरू कर दिया है, जबकि सुमित नागल, यूकी भांबरी और दक्षेश्वर सुरेश भी टीम से जुड़ने वाले हैं। कोचिंग स्टाफ खिलाड़ियों की फिटनेस और फॉर्म को ध्यान में

रखते हुए अभ्यास सत्रों की तीव्रता को धीरे-धीरे संतुलित कर रहा है, ताकि मुकाबले के समय खिलाड़ी अपने चरम प्रदर्शन पर हों।

भारत की मौजूदा डेविस कप रैंकिंग 33 है, जबकि नीदरलैंड्स दुनिया की शीर्ष टीमों में गिना जाता है और हाल के वर्षों में फाइनल तक पहुंच चुका है। बावजूद इसके, भारतीय टीम 1996 की उस ऐतिहासिक जीत से प्रेरणा ले रही है, जब जयपुर में भारत ने पिछड़ने के बाद नीदरलैंड्स को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी महेश भूपति ने भी टीम का हौसला बढ़ाया है। उनका कहना है कि डेविस कप ऐसा मंच है, जहां रैंकिंग से ज्यादा जज़्बा और टीम स्पिरिट मायने रखती है।

पिछले साल स्विट्ज़रलैंड पर मिली जीत ने भारतीय खेमे का आत्मविश्वास बढ़ाया है। कप्तान राजपाल का मानना है कि घरेलू दर्शकों का समर्थन भी निर्णायक भूमिका निभा सकता है। दोनों देशों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर है, ऐसे में यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

भारतीय टीम अब अंतिम दिनों में रणनीति और संयोजन पर खास ध्यान दे रही है, ताकि कोर्ट पर उतरते ही इतिहास दोहराया जा सके।

एशियन राइफल/पिस्टल चैम्पियनशिप: पिस्टल स्पर्धाओं से भारत को दमदार शुरुआत की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में शुरू हो रही एशियन राइफल/पिस्टल चैम्पियनशिप के पहले प्रतिस्पर्धा दिवस पर भारत की नजरें 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं पर टिकी हैं। बुधवार को इन स्पर्धाओं के पदक दांव पर होंगे और मेजबान भारतीय टीम मजबूत शुरुआत के इरादे से उतरेगी। भारतीय चुनौती की अगुवाई विश्व चैंपियन सम्राट राणा, वर्ल्ड कप फाइनल विजेता सुरुचि सिंह, ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और उभरती स्टार ईशा सिंह करेंगी। इन खिलाड़ियों से पदक की प्रबल उम्मीद जताई जा रही है। प्रतियोगिता के पहले दिन कुल चार फाइनल खेले जाएंगे। इनमें सीनियर पुरुष और महिला वर्ग के अलावा जूनियर और यूथ पुरुष वर्ग शामिल हैं। सम्राट राणा और सुरुचि सिंह को स्वर्ण पदक का दावेदार माना जा रहा है, जबकि महिला वर्ग में मनु भाकर और ईशा सिंह से भी शीर्ष

प्रदर्शन की उम्मीद है। महिला वर्ग में हांगकांग की हो चिंग शिंग बड़ी प्रतिद्वंद्वी मानी जा रही हैं। वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं और एशियन स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर चुकी हैं। चीनी ताइपे की चेंग येन-चिंग और वियतनाम की अनुभवी थु विन्ह त्रिन्ह भी पदक की दौड़ को कड़ा बना सकती हैं। पुरुष वर्ग में भारत के सम्राट राणा के साथ वरुण तोमर और शरवन कुमार भी चुनौती पेश करेंगे। कजाकिस्तान, चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान के निशानेबाज़ भारतीय खिलाड़ियों के लिए कड़ी टक्कर साबित हो सकते हैं। भारत ने इस चैम्पियनशिप में 118 खिलाड़ियों का बड़ा दल उतारा है, जो सभी देशों में सबसे बड़ा है। कजाकिस्तान दूसरा सबसे बड़ा दल लेकर आया है। कोरिया, जापान, चीनी ताइपे और वियतनाम जैसी पारंपरिक ताकतें भी मजबूत टीमों के साथ उतरी हैं। मेजबान होने के साथ-साथ हालिया अंतरराष्ट्रीय सफलताओं से उत्साहित भारतीय दल से इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की उम्मीद की जा रही है।

भारत 2027 में करेगा एशियन राइफल-पिस्टल चैंपियनशिप की मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में ओलंपिक खेल शूटिंग की शासी संस्था, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने घोषणा की कि नई दिल्ली ने एशियन राइफल-पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेज़बानी का अधिकार हासिल कर लिया है। इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में लॉस एंजेलिस 2028 (एलए 28) ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर होंगे। एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन (एएससी) के महासचिव इंजीनियर दुआइज अलओतैबी ने 2 फरवरी को एनआरएआई अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव को भेजे गए पत्र के माध्यम से इसकी पुष्टि की। यह लगातार दूसरा अवसर होगा, जब भारत राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं की इस शीर्ष महाद्वीपीय चैंपियनशिप की मेज़बानी करेगा। इस खेल की वैश्विक शीर्ष संस्था अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने पहले ही अप्रैल, 2027 में नई दिल्ली में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन के आयोजन का अधिकार भारत को दिया है, जिसमें कुल 12 एलए 28 कोटा स्थान उपलब्ध होंगे।

खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने 6 खेल अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने वर्चुअल माध्यम से देशभर में छह प्रमुख खेल अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखी और दो एथलीट-केंद्रित सुविधाओं का उद्घाटन किया। इन सभी परियोजनाओं पर कुल 120 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। यह पहल भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। इन परियोजनाओं में बेंगलुरु में सिंथेटिक हॉकी टर्फ का उन्नयन, पटियाला में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण, भोपाल, गुवाहाटी और जलपाईगुड़ी में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा भोपाल में बहुउद्देश्यीय जूडो हॉल का निर्माण शामिल है। 82 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली छह आधारशिला परियोजनाएं खेलो इंडिया योजना के तहत क्रियान्वित की जा रही हैं, जिन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का सहयोग भी प्राप्त है। ये परियोजनाएं देश के विभिन्न हिस्सों–विशेषकर पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों–में स्थापित की जा रही हैं, ताकि संतुलित और समावेशी खेल अवसंरचना विकास सुनिश्चित किया जा सके।

इसके अलावा डॉ. मांडविया ने एनएस एनआईएस, पटियाला में 38 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई दो एथलीट-सहायक सुविधाओं का उद्घाटन भी किया। इनमें एथलीटों की पोषण आवश्यकताओं को मजबूत करने के लिए केंद्रीयकृत किचन एवं फूड कोर्ट-सह-डाइनिंग हॉल तथा अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स साइंस सेंटर एवं कंडीशनिंग हॉल शामिल है। ये सुविधाएं वैज्ञानिक प्रशिक्षण, प्रदर्शन विश्लेषण, पुनर्वास और रिकवरी में एलीट एथलीटों को महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी।

इस अवसर पर सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना करते हुए और परिसंपत्ति प्रबंधन में साई की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए खेल मंत्री ने कहा, 'देशभर में कई खेल अवसंरचना परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं, लेकिन साई के अंतर्गत आने वाली सुविधाएं हमारी प्रत्यक्ष जिम्मेदारी हैं। इन परिसंपत्तियों का समुचित रखरखाव, प्रभावी उपयोग और जहां संभव हो, व्यावसायिक उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि सार्वजनिक निवेश दीर्घकालिक मूल्य सृजित कर सके। 'डॉ. मांडविया ने यह भी स्पष्ट किया कि इन परियोजनाओं की निरंतर निगरानी की जाएगी। साई स्तर पर मासिक समीक्षा और स्वयं उनके स्तर पर तिमाही समीक्षा की जाएगी, ताकि परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन और एथलीटों के हित में उनका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।खेल क्षेत्र की व्यापक नीति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा खेलो इंडिया मिशन की घोषणा की गई है, जिसके तहत खेल अवसंरचना विकास सहित भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।उन्होंने कहा, 'हमें मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को साकार करना है, जिसके तहत भारत को 2036 तक शीर्ष 10 खेल राष्ट्रों में और स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक शीर्ष पांच खेल राष्ट्रों में शामिल किया जाना है।' खेल मंत्री ने यह भी बताया कि खेल सामग्री निर्माण के लिए ?500 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिससे घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ावा मिलेगा और आत्मनिर्भर व वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खेल पारिस्थितिकी तंत्र का विकास होगा।खेलों की बदलती भूमिका पर जोर देते हुए डॉ. मांडविया ने कहा, 'आज खेल एक पेशा बन चुका है।

बहन शाहीन के साथ मिलकर फिल्म निर्माण करेंगी आलिया

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय। यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया ने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर किया है।

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय है। इस फिल्म को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंसन के तले बनाया गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें आलिया कहती हैं- क्या कहानी में सब कुछ है। रोमांस है, दिल टूटता है, गाना है, लड़कियां, लड़के, और एक कछुआ भी...। दरअसल, यह एक ऐसी कहानी जिसके साथ आप बड़े होते हैं।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट में लिखा, वाह, शानदार, बहुत बढ़िया किया आपने, फिल्म निर्माता अशर आस्कन ने लिखा, अब तक की सबसे प्यारी घोषणा, एक फैन ने लिखा, आपकी एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है, दूसरे फैन ने लिखा, यह तो बेहद रोमांचक लग रहा है, इतने लंबे समय बाद ऐसी कोई फिल्म आई है, यह कमाल की होने वाली है।

कब रिलीज होगी लव एंड वॉर

आलिया भट्ट लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

मलयालम से अलग है हिंदी दृश्यम 3 की कहानी

क्राइम-थ्रिलर 'दृश्यम' अपने तीसरे पार्ट के साथ फिर लौट रही है। 'दृश्यम 3' मलयालम के साथ हिंदी में भी शुरू हो चुकी है। एक बार फिर विजय सालगांवकर (अजय देवगन) अपनी फैमिली के साथ वापस लौट रहे हैं। अब फिल्म को लेकर अभिनेत्री श्रिया सरन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस फेंचाइजी के अपने सफर को इमोशनल बताते 'दृश्यम 3' के बारे में बात की है।

दस साल पहले शुरू हुई थी पहले पार्ट की शूटिंग

इंडिया टुडे के साथ बात करते हुए श्रिया सरन ने 'दृश्यम 3' को लेकर खुशी जताई। 'दृश्यम' की दुनिया में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। इस बार, कहानी असाधारण रूप से अच्छी तरह से लिखी गई है, बहुत कसी हुई और दिलचस्प है। यह फेंचाइजी का आखिरी पार्ट है। हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। यह मेरे लिए एक बेहद भावुक सफर है क्योंकि जब मैंने हाल ही में फिल्म देखी, तो मुझे एहसास हुआ कि पहला भाग दस साल से भी पहले शूट किया गया था। हम सब बहुत बदल गए हैं। मैं तब से बहुत बदल गई हूं।'

इस वजह से बाकी फिल्मों से अलग है 'दृश्यम'

श्रिया ने बताया कि दृश्यम को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह सस्पेंस जॉनर में कहानी को अलग तरह से कहने की कला है। मुझे याद नहीं कि किसी मिस्ट्री फेंचाइजी के तीन पार्ट हों। हमने ड्रामा सीरीज तो देखी हैं, लेकिन एक मिस्ट्री फेंचाइजी, जिसमें पूरी कहानी एक छोटी सी घटना के इर्द-गिर्द घूमती

हो, यह कमाल है। यकीन मानिए तीसरा पार्ट बेहद दिलचस्प है। इस दौरान उन्होंने 'दृश्यम 3' के एक बड़े ट्विस्ट की ओर भी इशारा किया।

मलयालम से अलग है हिंदी वर्जन

श्रिया सरन का मानना है कि मलयालम और हिंदी की 'दृश्यम' में अंतर है। यही कारण है कि फिल्म हर भाषा में अलग अनुभव देती है और पसंद की जाती है। उन्होंने कहा कि हिंदी 'दृश्यम 2' मलयालम वर्जन से बहुत अलग थी। यहां तक कि हिंदी 'दृश्यम 3' भी मलयालम वाली फिल्म से काफी अलग है।

2015 में रिलीज हुई थी पहली 'दृश्यम'

'दृश्यम' फेंचाइज की शुरुआत साल 2015 में हुई थी। पहली फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर और इशिता दत्त प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके बाद साल 2022 में 'दृश्यम 2' रिलीज हुई। इसमें अक्षय खन्ना भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। अब लगभग चार साल बाद फेंचाइजी का तीसरा पार्ट रिलीज होने जा रहा है।

श्रीलीला के साथ पहली बार नजर आएंगे धनुष

धनुष ने हाल ही में अपनी 55वीं फिल्म का एलान किया है, जिसका अस्थाई नाम डी55 है। निर्माताओं ने स्टार कास्ट की घोषणा भी कर दी है। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की अगली फिल्म में धनुष के साथ मुख्य भूमिका में यह अभिनेत्री पहली बार नजर आएंगी। राजकुमार पेरियासामी पहले अमरन फिल्म बना चुके हैं।

धनुष की आगामी फिल्म का नाम

धनुष की आगामी फिल्म का अस्थाई नाम डी55 है। यह अस्थाई नाम इसलिए डी55 रखा गया है क्योंकि यह धनुष की 55वीं फिल्म हैं। इस फिल्म में उनके साथ पहली बार मुख्य अभिनेत्री के रूप में श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार पेरियासामी करेंगे। धनुष और श्रीलीला पहली बार किसी फिल्म में एक साथ नजर आने वाले हैं।

निर्माताओं ने की घोषणा

फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी वंडरबार फिल्म्स ने यह घोषणा की। उन्होंने लिखा, आपने यह उम्मीद नहीं की होगी। खूबसूरत अभिनेत्री श्रीलीला का डी55 में स्वागत है। साथ में धनुष, श्रीलीला और टीम की कई तस्वीरें भी शेयर की गई, जो बहुत तेजी से फैंस के बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

फिल्म डी55 के बारे में

डी55 एक बड़ा प्रोजेक्ट है। धनुष अपनी कंपनी वंडरबार फिल्म्स के साथ आर टेक स्टूडियोज को मिलकर इसे बना रहे हैं। फिल्म का निर्माण अभी मुंबई में चल रहा है। शूटिंग 2026 के आखिर तक पूरी होने की उम्मीद है। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज हो सकती है।

भूमि पेडनेकर ने इंटरनेट स्क्रोलिंग को कहा दलदल

भूमि पेडनेकर की क्राइम बेस्ड सीरीज दलदल में उनके किरदार की दर्शक काफी तारीफ कर रहे हैं। बचपन के ट्रामा और मानसिक हालत को जोड़ कर बनी हुई ये सीरीज कई परतें खोलती हैं। इस इंटरव्यू में अभिनेत्री ने एंटरप्रेन्योर के तौर पर कई बातें साझा की हैं।

भूमि की वेब सीरीज दलदल में आज के दौर में समाज में हो रहे अपराध के पीछे के कारण को भी दिखाया गया है। भूमि से जब उनके सबसे बड़े दलदल के बारे पूछा गया तो भूमि ने कहा, मेरा सबसे बड़ा दलदल इंटरनेट स्क्रोलिंग था। मुझे सोशल मीडिया यूज करते वक्त पता ही नहीं चलता था कि कब कितना समय निकल गया? यह एक ऐसी आदत थी जिससे बाहर निकलना जरूरी था और मैंने इसे धीरे-धीरे बदला भी। आज सोशल मीडिया एक बेहद डरावनी जगह बन गया है। सोशल मीडिया पर अगर किसी के बारे में एक बार कुछ गलत कह दिया जाए तो बाकी लोग भी वही दोहराने लगते हैं और वह चीज एक ट्रेंड बन जाती है। लोगों के लिए जागरुक रहना और खुद को इस दलदल से बाहर निकालना जरूरी है।

बतौर एंटरप्रेन्योर इस फील्ड में जाएंगी भूमि

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बातचीत के दौरान सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर भी चर्चा की। बतौर एंटरप्रेन्योर,जब भूमि से ये पूछा गया कि क्या एक सच और झूठ बता देने वाला प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, यह वाकई एक बहुत अच्छा आइडिया है। मेरे मन में अक्सर आता है कि काश ऐसा कोई स्टार्टअप या प्लेटफॉर्म हो जो सिर्फ फैक्ट चेक पर काम करे। जहां लोग अपनी तरफ से भी वीडियो या जानकारी भेज सकें और यह प्लेटफॉर्म एआई या एक्सपर्ट्स की मदद से तुरंत बता सके कि यह सच है या झूठ।कई मीडिया हाउस फैक्ट चेक करते हैं जोकि बहुत अच्छा काम है। मैं खुद भी एक एंटरप्रेन्योर हूं और शायद आगे चलकर इस फील्ड में कुछ करना चाहूंगी।

'दलदल' वेब सीरीज ओटीटी पर रिलीज

'दलदल' वेब सीरीज 30 जनवरी से अमेजन प्राइम पर रिलीज हो चुकी है। भूमि पेडनेकर इस सीरीज में मुख्य किरदार में हैं, साथ ही समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी सीरीज में अहम भूमिका में हैं। इस वेब सीरीज में बाकी सपोर्टिंग कैरेक्टर्स जैसे की जया भट्टाचार्य, चिनमय मंडलेकर, गीता अग्रवाल, संदीप कुलकर्णी, सौरभ गोयल भी मौजूद हैं।

दमदार एक्टर होने के साथ एक फैमिली मैन भी हैं शाहिद कपूर

बॉलीवुड में शाहिद कपूर की शुरुआत साल 2003 में एक लवर बॉय के तौर पर इश्क विश्क से हुई थी। इंडस्ट्री में आम तौर पर एक्टर्स का एक इमेज में बंध जाना जहां स्वभाविक की समस्या बन जाती है, वहीं हरफनमौला शाहिद ने इस बंधन को मानने से इनकार कर दिया। पर्दे पर उन्हें जब वी मेट और विवाह में निहारने वाले दर्शक तब दंग रह गए, जब कमीने, हैदर, कबीर सिंह में उनका इन्टेंस अवतार दिखा। अब वह विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो में एक गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं। आप चाहे उनके फैन हो या नहीं, लेकिन उनकी अदाकारी के ग्राफ की तारीफ हर कोई करता है। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही शाहिद एक फैमिली मैन भी हैं। बातचीत में उन्होंने करियर और निजी जीवन के बीच के संतुलन, पैरेंटिंग, शादी, परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिकाओं, और ओ रोमियो पर बात की है।

अपने परिवार को पॉजिटिव सोच देनी चाहिए

शाहिद कपूर एक बेहतरीन पिता भी हैं। वह मीशा और ज़ैन के प्यारे पापा हैं। आज के दौर में वह बच्चों को वह किस तरह के वैल्यूज देना चाहेंगे? इस सवाल पर एक्टर कहते हैं, 'इस पर तो किताब लिखी जा सकती है। मुझे लगता है कि आपके परिवार के जो मूल्य हैं, वह आपके बच्चों में होने चाहिए। बच्चों को हमेशा पॉजिटिव एनर्जी देनी चाहिए, क्योंकि आजकल के बच्चे और यंगस्टर्स बहुत समझदार हो गए हैं। आजकल के बच्चे हर चीज के लिए बहुत ज्यादा सोचते हैं और नकारात्मक पहलुओं की तरफ उनका फोकस ज्यादा है, तो ऐसे में उन्हें पॉजिटिव सोच देना बहुत जरूरी है। उन्हें बताना जरूरी है कि हम इन फैमिली वैल्यूज में विश्वास करते हैं। बच्चों को बहुत ज्यादा प्यार देने की जरूरत है, एक कनेक्शन स्थापित करना, उनसे कम्युनिकेट करना बेहद आवश्यक है।'

बच्चों पर अपने सपने ना थोपें

शाहिद से जब पूछा गया कि वह अपने बच्चों को किस चीज से बचाना चाहेंगे? तो जवाब मिला, 'मुझे लगता है कि मां-बाप को अपने बच्चों को अपनी ख्वाहिशों और महत्वाकांक्षाओं से बचाना चाहिए। बच्चों पर अपने सपने न थोपें। ऊपर वाले ने उन्हें अपनी एक यात्रा पर भेजा है और बच्चों को उस सफर पर जाने दें।'

शादी में एक-दूसरे को वक्त देना बहुत जरूरी है

पत्नी मीरा राजपूत के साथ बॉन्डिंग के बारे में शाहिद कहते हैं, 'मैं हमेशा कहता हूं कि शादी डेली वर्क है। अपनी शादी देखकर हर किसी को लगता है कि दूसरे की शादी अच्छी है, पर ऐसा नहीं होता। जिस तरह से आप आज इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर फोकस करते हैं, उसी तरह से अपनी रिलेशनशिप पर भी ध्यान देना जरूरी है। जब आप अपने पार्टनर पर ध्यान देते हैं और उसे इज्जत देते हैं, तो वह सामने वाले को भी महसूस होता है। शादी में पार्टनर को वक्त और सम्मान देना बहुत आवश्यक है। मैं-मीरा ये ही कोशिश करते हैं।'

आप तभी ट्रांसफॉर्म होते हैं, जब खुद को चुनौती देते हैं

शाहिद कपर ने लवर बॉय से अपने करियर की शुरुआत की थी और फिर इंटेंस और टफ भूमिकाओं में नजर आए। इस ट्रांसफॉर्मेशन पर वह कहते हैं, 'आप ट्रांसफोर्म तभी हो पाते हैं, जब आप रिस्क लेना या खुद को चुनौती देना शुरू करते हैं। इससे आप मुश्किल भूमिकाएं कर पाते हैं और फिर उस सफर का आनंद उठाने लगते हैं। जब लोग उस चीज को देखते हैं और पसंद करते हैं, तब वे उस तरह के रोल्स का प्रस्ताव आपके पास लाने लगते हैं और एक सिलसिला चल निकलता है।

ओ रोमियो डरावनी भी है, रोमांटिक भी, इमोशनल भी

शाहिद आगे कहते हैं, अब विशाल सर के साथ ही ओ रोमियो मेरी चौथी फिल्म है। ये नब्बे के गैंगस्टर की प्रेम कहानी है और सभी जानते हैं कि विशाल भारद्वाज की फिल्मों की दुनिया थोड़ी अनोखी और अजीब होती है। फिल्म के अंदर एक ड्रामा है, पर यह फिल्म थोड़ी क्रिकी है। ये एक ही साथ में डरावनी भी है, रोमांटिक भी और इमोशनल भी।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401